प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा देश के लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा परिवारवादी पार्टियों से है। इनमें भी जब कोई एक परिवार ही सर्वोपरि हो जाता है तो पहला शिकार प्रतिभा (टैलेंट) होती है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 58 दिनांकः 09-02-2022 बुधवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

लोकसभा के बाद राज्यसभा में मोदी के कांग्रेस पर प्रहार को लेकर पत्रकारों से चर्चा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि सदन में उन्होंने तीन मुद्दे उठाए थे। पहला एक चुने हुए अमीर लोगों का दूसरा करोड़ों गरीब लोगों का दो हिन्दुस्तान बनाने का।

राज्यसभा में आज खूब बरसे पीएम मोदी कांग्रेस न होती तो सिखों का नरसंहार न होता

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रसाद के दौरान अपना संबोधन दिया। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार के कामकाज का लेखा-जोखा तो दिया ही, साथ ही विपक्ष खासकर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस नहीं होती तो सिखों का नरसंहार नहीं होता। इसके साथ ही उन्होंने तंज कसते हुए और भी ऐसे कई घटनाओं का जिक्र किया। इस दौरान कांग्रेस ने जमकर हंगामा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सुझाव दिया कि कांग्रेस का नाम इंडियन नेशनल कांग्रेस के स्थान पर फेडरेशन ऑफ कांग्रेस कर दिया जाना चाहिए। किशोर कुमार को इमरेंसी के पक्ष में नहीं बोलने के कारण प्रताड़ित किया गया था। हम जानते हैं कि एक विशेष परिवार के खिलाफ थोड़ी भी आंख उठाने की कोशिश करते है तो क्या हश्र होता है, यह हम सभी जानते हैं। कांग्रेस ने गोवा के साथ-साथ भेदभाव किया। लता मंगेशकर के छोटे भाई हृदयनाथ मंगेशकर को ऑल इंडिया रेडियो से निकाल दिया गया था। उन्होंने वीर सावरकर की कविता की रेडियो पर प्रस्तुति दी थी। उसके आठ दिन के अंदर उन्हों नौकरी से निकाल दिया गया। कांग्रेस आलाकमान के काम करने के 3 तरीके। बदनाम करना, स्थिर करना और फिर खारिज करना। उन्होंने इन सिद्धांतों के साथ काम किया है। फारूक अब्दुल्ला सरकार, चौधरी देवी लाल सरकार, चौधरी चरण सिंह सरकार, सरदार बादल सिंह सरकार और पिछले 6-7 दशकों में किसने परेशान किया? सभी जानते हैं कि कांग्रेस ने भारत के इतिहास में सरकारों को अस्थिर करने के लिए किस तरह की चाल चली है। अटल जी की सरकार ने तीन राज्यों छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तराखंड का गठन किया, लेकिन ऐसी कोई समस्या कभी सामने नहीं आई। अर्बन नक्सल के चंगुल में फंसी कांग्रेस। यही ववजह है कि वह बार-बार बोल रही है कि हम इतिहास बदल रहे हैं। हम इतिहास नहीं बदल रहे हैं। हम उन्हें थोड़ा पहले ले जाते हैं। इसी कारण उन्हें दिक्कत होता है, क्योंकि उनकी इतिहास तय है। कुछ लोगों का इतिहास एक परिवार तक सीमित है। गौरवपूर्ण इतिहास को भुला देना ठीक नहीं होगा। सदन में कहा गया कि कांग्रेस ने भारत की नींव रखी और भाजपा ने सिर्फ झंडा फहराया। सदन में इसे मजाक की तरह नहीं कहा गया। यह गंभीर सोच का परिणाम है जो देश के लिए खतरनाक है। कुछ लोगों का मानना है कि भारत का जन्म 1947 में हुआ था। इस सोच के कारण समस्याएं पैदा होती हैं। अगर कांग्रेस न होती तो बेटियों को तंदूर में जलाने की घटनाएं न होतीं, अगर कांग्रेस न होती तो देश के सामान्य मानवी को मूल सुविधाओं के लिए इतने सालों तक इंतजार न करना पड़ता। इस सदन में कुछ साथियों ने भारत की निराशाजनक तस्वीर पेश की और ऐसा लग रहा था कि उन्हें इसे पेश करने में आनंद भी आ रहा था। मुझे लगता है कि सार्वजनिक जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं और जय-पराजय होती रहती है, उससे छाई हुई व्यक्तिगत जीवन की निराशा कम से कम देश पर नहीं थोपनी चाहिए। भारत लोकतंत्र की जननी है। भारत में लोकतंत्र, बहस सदियों से चलती आ रही है। कांग्रेस की समस्या यह है कि उन्होंने वंशवाद के अलावा कभी कुछ नहीं सोचा। भारत का लोकतंत्र परिवार आधारित पार्टियों के लिए सबसे बड़े खतरे का सामना कर रहा है। इससे किसी भी पार्टी को सबसे बड़ा नुकसान होता है अच्छे टैलेंट का। साल 2021 में एक करोड़ 20 लाख नए ईपीएफओ के पेरोल पर जुड़े, इनमें से 60-65 लाख 18 से 25 वर्ष की आयु के हैं। रिपोर्ट बताती है कि कोरोना के पहले की तुलना में कोविड प्रतिबंध खुलने के बाद नियुक्तियां दोगुनी बढ़ गई हैं: राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब हमने कोविड पर एक सर्वदलीय बैठक बुलाई और केंद्र सरकार एक प्रस्तुति देने के लिए तैयार थी, तो कई दल नहीं आए। पार्टियां राष्ट्रीय स्थिति के आधार पर एक बैठक का बहिष्कार कर रही थीं। हमने समग्र स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित किया। पारंपरिक स्वास्थ्य सेवा के साथ आधुनिक स्वास्थ्य सेवा का संयोजन किया। हल्दी के निर्यात में वृद्धि हुई है क्योंकि दुनिया ने देखा है कि कैसे भारत के पारंपरिक तरीकों ने कोविड के खिलाफ हमारी लड़ाई में मदद की। महंगाई ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। अमेरिका 40 साल में सबसे ज्यादा और ब्रिटेन 30 साल में सबसे ज्यादा महंगाई का सामना कर रहा है। यूरो वाले देश भी अपनी मुद्रा के रूप में अभूतपूर्व मुद्रास्फीति का सामना कर रहे हैं। ऐसे में हमने महंगाई पर काबू पाने की कोशिश की है। 2015-2020 के बीच यह दर 4-5इ के बीच थी। यूपीए के दौरान दहाई अंक में थी महंगाई! आज, हम एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था हैं जो उच्च विकास और मध्यम मुद्रास्फीति का सामना कर रही है।

सिद्धू की पत्नी का आरोप, राहुल गांधी को सीएम फेस के निर्णय के लिए गुमराह किया गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर राजनैतिक दलों का प्रचार जारी है। कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम फेस बनाया है। यानि कि चन्नी के ही नाम पर कांग्रेस विधानसभा चुनाव लड़ने जा रही है। सीएम फेस की रेस में चलने के साथ-साथ नवजोत सिंह सिद्धू का भी नाम आगे चल रहा था। मुख्यमंत्री पद को लेकर सिद्धू लगातार आलाकमान पर दबाव बना रहे थे। बावजूद इसके सिद्धू को कांग्रेस की ओर से पंजाब में मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं बनाया गया। सिद्धू ने यहां तक कह दिया था कि चन्नी सिर्फ ट्रेलर चला सकते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें,तब सिद्धू को सीएम फेस ना बनाया जाना कहीं ना कहीं उनके लिए किसी झटके से कम नहीं है।इस लेकर मंगलवार को सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट मामले में दखल देने से किया इनकार

नई दिल्ली (ईएमएस)।पीजी मामले पर सुनवाई कर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी 2022 सत्र मामले में दखल देने से इनकार कर दिया है।कोर्ट ने 31 मई 2022 को इंटर्नशिप पूरा करने की समय सीमा के विस्तार को लेकर उम्मीदवारों को केंद्र के समक्ष अपनी बात रखने को कहा है।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये नीतिगत मामला है इसलिए सरकार के इस अधिकार में हम दखल नहीं देने वाले हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट नीट पीजी 2022 के संबंध में दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।नीट के जरिए पीजी कोर्स के लिए उत्तीर्ण उम्मीदवारों ने इंटर्नशिप पूरा करने की समय सीमा 31 मई, 2022 को आगे बढ़ाने यानी इसमें विस्तार की मांग की है।इसकी वजह है कि वे 2021 में कोविंड-19 डयूटी पर थे।कोविड डयूटी के चलते उनकी इंटर्नशिप में देरी हुई है, जो नीटपीजी 2022 परीक्षा में उपस्थित होने के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर महाराष्ट्र का 'अपमान' करने का आरोप लगाया

मुंबई (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाराष्ट्र के जरिये अन्य राज्यों में कोविड-19 के प्रसार को बढ़ावा देने सम्बन्धी बयान पर कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने मोदी पर महाराष्ट्र का 'अपमान' करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि पार्टी प्रधानमंत्री की माफी की मांग को लेकर बुधवार को राज्यभर में बीजेपी के कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन करेगी।?

पटोले ने कहा, ''सोमवार को लोकसभा में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने राज्य के 12 करोड़ लोगों पर कोविड-19 फैलाने का आरोप लगाकर छत्रपति शिवाजी महाराज के महाराष्ट्र का अपमान किया। प्रधानमंत्री को अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए।'' मोदी ने सोमवार को लोकसभा में कहा था, ''कांग्रेस नेताओं ने क्या किया? वे मुंबई के रेलवे स्टेशनों पर खड़े हुए और मुफ्त टिकट बांटे। उन्होंने लोगों को मुंबई से जाने के लिए प्रेरित किया ताकि महाराष्ट्र का बोझ कम किया जा सके। तुम उत्तर प्रदेश जाओ, तुम बिहार जाओ। जाओ, वहां कोरोना फैलाओ। आपने यह पाप किया और अराजकता का माहौल बनाया।''

पटोले ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम का आयोजन किया था और 'कोविड-19 के सुपर-स्प्रेडर बने।'फरवरी 2020 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत दौरे पर आए थे और 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम के तहत अहमदाबाद के एक स्टेडियम में जनसभा को संबोधित किया था।पटोले ने कहा, ''अगर महाराष्ट्र के भाजपा नेताओं को राज्य पर गर्व होता तो उन्होंने प्रधानमंत्री के बयान की निंदा की होती। अगर वे इन टिप्पणियों की निंदा नहीं करते हैं तो उन्हें राज्य के इतिहास में 'महाराष्ट्र द्रोही' के रूप में जाना जाएगा।''

कार्टून कोना

लालू ने कहा, चुनाव लड़कर आऊंगा संसद, पीएम मोदी को दूंगा जवाब

पटना (ईएमएस)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने मंगलवार को सक्रिय राजनीति में वापसी की घोषणा कर दी है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल होने के लिए दिल्ली से बिहार आने के पहले मीडिया से बातचीत में उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। लालू ने कहा कि अभी कोर्ट से मुझे इजाजत नहीं है, मंजूरी मिलते ही चुनाव लड़कर संसद आऊंगा।उन्होंने कहा कि लोकसभा में पीएम मोदी कुछ भी बोलते रहते हैं, मैं संसद पहुंचकर उनकी सभी बातों का जवाब दूंगा।

राजद सुप्रीमो लालू ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर योगी आदित्यनाथ पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री इलेक्शन के दौरान काफी अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उनकी बातों से साफ दिख रहा है कि वह नर्वस हैं। लालू ने कहा कि योगी के बयानों में सिर्फ गाली-गलौज करना बचा है। उन्होंने कहा कि साफ झलक रहा है कि इसबार यूपी में बीजेपी का सफाया होने वाला है।

बड़े बेटे तेजस्वी यादव को राजद अध्यक्ष बनाने से जुड़े सवाल पर लालू ने कहा कि मीडिया में ऐसी बातें आती रहती हैं। आरजेडी के राष्ट्रीय अधिवेशन का यह मुद्दा नहीं है। हम पहले भी ये बात साफ कर चुके हैं। विशेष राज्य के मुद्दे पर लालू ने कहा कि जदयू और बीजेपी एक साथ होने के बाद भी बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिला पा रहे हैं। लालू ने कहा कि भाजपा गुमराह कर रही है। राजद सुप्रीमो ने कहा कि केंद्र बिहार के तरह-तरह के मदों में पैसे देने की बात कहकर पल्ला झाड़ रहा है। ऐसी सहायता की बिहार को जरूरत नहीं है। इसके बदले विशेष राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए।

हिमस्खलन में सेना के सात जवान शहीद, दो दिन बाद मिले सभी के शव

नई दिल्ली (ईएमएस)। 6 फरवरी को अरुणाचल प्रदेश के कामेंग सेक्टर के ऊंचाई वाले इलाके में भारी हिमस्खलन हुआ था। इसकी चपेट में आए सेना के सात जवानों के शहीद होने की पुष्टि हो गई है। उनके शव हिमस्खलन स्थल से निकाले जा चुके हैं।इसकी जानकारी भारतीय सेना ने दी है। सैनिकों के शवों को आगे की औपचारिकताओं के लिए हिमस्खलन स्थल से निकटतम सेना चिकित्सा सुविधा में स्थानांतरित किया जा रहा है।

पिछले रविवार को अरुणाचल में सीमावर्ती क्षेत्र में गश्त के दौरान सेना के सात जवान हिमस्खलन में फंस गए थे।उन्हें बचाने के लिए विशेष प्रयास किया गया। इसके लिए बाहर से विशेष टीमें भी बुलाई गई थी। सेना ने सोमवार को बताया था कि यह हादसा राज्य के कामेंग सेक्टर में ऊंचाई वाले इलाके में रविवार को हुआ। जवान सीमावर्ती क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। तभी अचानक हिमस्खलन होने से वहां उसमें फंस गए थे। इस घटना की सूचना मिलते ही सेना ने तलाशी और बचाव अभियान शुरू कर दिया था, लेकिन जवानों को बचाया नहीं जा सका।

यूपी में पहले चरण का चुनाव प्रचार थमा

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में पहले चरण का चुनाव प्रचार थम गया है। पहले चरण के तहत पश्चिमी उत्तरप्रदेश के 11 जिलों की 58 सीटों पर गुरुवार 10 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। कोरोना की तीसरी लहर के चलते चुनाव आयोग द्वारा लगाई बंदिशों के चलते प्रचार कार्य काफी प्रभावित रहा। आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्य में सात चरणों में वोटिंग होगी। पहले चरण में स्थानों पर चुनाव होने हैं, उसमें शामली की तीन, मुजफ्फरनगर की छह, बागपत की तीन, गाजियाबाद की पांच, हापुड़ की तीन, गौतम बुद्ध नगर की तीन, बुलंद शहर, मेरठ और अलीगढ़ की सात-सात, मथुरा की पांच और आगरा की नौ सीटें शामिल हैं। मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम छह बजे तक निर्धारित है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। कोरोना के खतरे के चलते वोटिंग के दौरान कोविड प्रोटोकॉल के पालन पर भी खास ध्यान दिया जाएगा।

पहले चरण के अंतर्गत 58 विधानसभा सीटों पर 10 फरवरी को होने वाली वोटिंग के लिए 10766 पोलिंग सेंटर और 25849 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। पहले चरण में कुल 623 प्रत्याशी मैदान में है जिसमें 549 पुरुष, 73 महिला और एक अन्य शामिल है। पहले चरण में 22783739 मतदाता वोट डालेंगे जिसमें 12331251 पुरुष, 10451053 महिला और 1435 अन्य शामिल हैं।

महाराष्ट्र में रहने वाले उत्तरभारतीय अपने घर कोरोना फ़ैलाने नहीं गए- कांग्रेस

मुंबई, (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में अपने भाषण में यह कहा कि महाराष्ट्र में रहने वाले उत्तर प्रदेश और बिहार के लोग अपने अपने घर कोरोना फ़ैलाने के लिए गए इसको लेकर महाराष्ट्र में रहने वाले हजारों उत्तरभारतियों के बीच आक्रोश का माहौल है. यह कहना है महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस उत्तर भारतीय सेल के प्रदेश अध्यक्ष उमाकांत अग्निहोत्री का. उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, हम उत्तर भारतीय मेहनती लोग हैं, कोरोना वायरस नहीं है. महाराष्ट्र में रहने वाले उत्तर प्रदेश और बिहार के लोग अपने अपने घर कोरोना फ़ैलाने के लिए नहीं बल्कि अपने घर गए थे. केंद्र सरकार ने हमारे रहने के अलावा जाने और खाने की व्यवस्था तो नहीं कि लेकिन जिस कांग्रेस पार्टी ने हमारी सारी व्यवस्था की आप उस पार्टी पर लांछन लगा रहे हैं. अगर हम उत्तर भारतीय, उत्तर प्रदेश और बिहार वापस गए तो वहां की बीजेपी सरकारों ने हमे रोजगार क्यों नहीं दिया. कोरोना ख़त्म होने के बाद हम फिर मुंबई और महाराष्ट्र के अन्य शहरों के अलावा बैंगलोर, हैदराबाद और दिल्ली वापस जा रहे हैं. सच्चाई ये है कि उत्तर प्रदेश में चुनाव है और मोदी जी राजनीतिक बयानबाजी कर रहे हैं, लेकिन यह बंद होना चाहिए. मोदी जी, आप की दोहरी राजनीति को लोग समझ गए हैं. महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस उत्तर भारतीय सेल के प्रदेश अध्यक्ष उमाकांत अग्निहोत्री ने बताया कि वह उत्तर भारतीय सेल के पदाधिकारियों के साथ उत्तर प्रदेश में जाकर लोगों को बताएंगे की कोरोना संकट के समय में महाराष्ट्र कांग्रेस ने किस तरह से लोगों की मदद की. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार कोविड संकट के दौरान लोगों की मदद करने में पूरी तरह से फेल रही थी. अग्निहोत्री ने कहा कि पीएम मोदी ने कोविड वैक्सिनेशन सर्टिफिकेट पर अपनी फोटो छपवा ली जो आज तक कभी नहीं हुआ और किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा कभी नहीं किया. उन्होंने पीएम मोदी से अपील करते हुए कि आप महाराष्ट्र में हम सभी भाइयो को आपस में लड़ाने का काम न करें. अग्निहोत्री ने कहा कि उत्तर भारतीय समाज प्रधानमंत्री के इस बयान कि घोर निंदा करता है. कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगो कि मदद की लेकिन प्रधानमंत्री ने इस पर सवाल खड़े किए हैं. ऐसे में उन्हें अपने इस बयान के लिए देश के उत्तर भारतीय लोगो एवं कांग्रेस पार्टी से माफी मांगनी चाहिए. उन्होंने कहा कि मोदी को प्रधानमंत्री पद की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए. अग्निहोत्री ने कहा कि उत्तर भारतीय समाज कोरोना काल में कांग्रेस द्वारा किये गए सहयोग और मदद की सराहना करता है.

यूपी से भाजपा गई तो देश से साफ हो जाएगी-ममता बनर्जी

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का समर्थन कर रही तृणमूल कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि पश्चिम बंगाल के बाद अब यूपी से खेला होगा और अखिलेश यादव भाजपा को खदेड़ देंगे। उन्होंने कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश की सत्ता से बाहर हो गई तो फिर यह देश से भी साफ हो जाएगी।

सपा के पक्ष में प्रचार करने सोमवार देर शाम लखनऊ पहुंची टीएमसी मुखिया ममता बनर्जी ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला बोलने के साथ ही भाजपा को उत्तर प्रदेश के बाहर करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने हमको मदद दी थी। हम उनकी मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि वह तीन मार्च को वाराणसी भी जाएंगी। उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में पश्चिम बंगाल के लोग हैं, हम सभी से अखिलेश यादव को वोट देने के लिए कहेंगी। उन्होंने कहा कि आप लोग इकट्ठे होकर समाजवादी पार्टी को वोट दीजिए। हर जाति से मैं कहना चाहूंगी कि हर हर महादेव कह हम आप लोगों को कहेंगे कि आप लोग दिल से आगे बढ़िए, इंसानियत से आगे बढ़िए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अखिलेश रोशनी ला सकते हैं। मैं यूपी में आई क्योंकि यूपी की लड़ाई इज्जत की लड़ाई है। यूपी में अगर अखिलेश जीत जाएंगे, समाजवादी पार्टी जीत जाएगी, आप रास्ता दिखा दीजिए, आप दिशा दिखा दीजिए, हर प्रांत आपको ही फॉलो करेगा। ममता बनर्जी ने कहा कि सब मिल जाओगे तो बीजेपी भाग जाएगी। यूपी से अगर आप हटा दो तो देश से हम हटा देंगे। ये वादा हमारा है। इस दौरान ममता ने नारा दिया, इस बार अखिलेश 300 पार, इस बार अखिलेश की सरकार। इस बार मां बहन की सरकार। इस बार स्टूडेंट-यूथ की सरकार। इस बार दलितों की सरकार। इस बार मुस्लिम की सरकार। इस बार हिंदुओं की सरकार। इस बार किसान की सरकार। इस बार देश की सरकार।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के साथ ही केन्द्र में भाजपा की सरकार झूठ के सहारे टिकी है। भाजपा को चुनाव में जाने से पहले हाथरस कांड पर माफी मांगनी चाहिए। भाजपा की सरकार ने कोविड से मरे लोगों के शवों को गंगा नदी में फेंक दिया था। यह शव बहकर पश्चिम बंगाल के मालदा तक पहुंचे थे। भाजपा को बताना होगा कि कितनी लाश गंगा नदी में फेंकी है। भाजपा इस काम पर पहले माफी मांगे फिर वोट मांगे। उत्तर प्रदेश में बहुत सारे लोग फर्जी एनकाउंटर में बहुत लोग मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि मैं तो भाजपा के खिलाफ काफी समय से थी। मैंने इनके खिलाफ सीएए और एनआरसी लागू करने के पर जमकर विरोध और आंदोलन किया था। बीजेपी ने इतिहास को बदलने का काम किया है। शहीद ज्योति को नष्ट कर दिया।

कांग्रेस का आरोप, अपनी नाकामियां छुपाने के लिए पंडित नेहरू का नाम ले रहे मोदी

पीएम मोदी का हमला, लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा परिवारवादी पार्टियों

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद में बार-बार 'झूठ' बोलकर अपनी नाकामी छिपाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का नाम ले रहे हैं। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने दावा किया कि कांग्रेस के होने के कारण आज देश का संविधान है और कभी दो सांसदों वाली पार्टी रही भाजपा सत्ता तक पहुंच गई। सुरजेवाला ने ट्वीट किया, मोदी जी, आजादी के 75वें साल में केवल झूठ-नफरत-अहंकार-प्रोपोगेंडा और पूंजीपतियों का अमृत-काल चल रहा है। युवाओं, किसानों, गृहणियों,गरीबों, छोटे दुकानदारों और व्यवसाइयों का तब राहुकाल चल रहा है।उन्होंने कहा, कांग्रेस है,इसकारण कभी दो सांसदों वाली पार्टी आज सत्ता में है, दमन यंत्रों के बीच भी जनता की आवाज है, झूठ और प्रोपोगेंडा के बीच भी बेखौफ सच है, जुमलों वाली निकम्मी सरकार की सनक के बीच जनसेवा का धर्म निभाने वाला समर्पित विपक्ष है, पूंजीपतियों की गुलामी नहीं, देश की परवाह है।''

कांग्रेस महासचिव सुरजेवाला ने दावा किया,कांग्रेस है,इसकारण बाबा साहब का संविधान है, स्वतंत्रता सेनानियों के सपने सच हैं, बापू के विचार और आदर्श जीवंत हैं, परमाणु शक्ति और तकनीकी क्रांति है, हमसे टकराने वाले पाकिस्तान के दो टुकड़े हुए हैं, वैश्विक मंदी में भी भारत मजबूत रहा है,विपक्ष व असहमति की भी जगह रही है।उन्होंने कहा, और जान लें, मोदी सरकार न होती तब महा-महंगाई का बोझ न होता, 100 रुपये पार पेट्रोल-डीज़ल न होता, 200 रुपये पार खाने का तेल न होता, रुपये 1,000 पार गैस सिलेंडर न होता, 205 प्रतिशत रेल किराया न बढ़ा होता, जूते-चप्पलों पर 18 प्रतिशत टैक्स न लगा होता, लोगों का बजट लूटना सरकार का धर्म न होता।'' मोदी सरकार न होती,तब बेतहाशा बेरोज़गारी की मार न होती, बेरोजगारी दर 8 प्रतिशत पार न होती, विनिर्माण में 2.70 करोड़ नौकरी न जाती, लॉकडाउन में 12.20 करोड़ की नौकरी न जाती, केंद्र सरकार में 30 लाख पद खाली न होते, 'डेमोग्रैफिक डिवीडेंड डेमोग्रैफ़िक डिज़ास्टर' न बनता।'' कांग्रेस प्रवक्ता अजय कुमार ने दावा किया, नेहरू जी का निधन 60 साल पहले हो गया था। लेकिन प्रधानमंत्री आज उन्हें बार-बार याद कर अपनी नाकामी छिपा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी इतने कमजोर हैं,कि उन्हें नाकामी छिपाने के लिए भी देश के पहले प्रधानमंत्री के नाम का सहारा लेना पड़ रहा है।'उन्होंने आरोप लगाया,प्रधानमंत्री संसद में बार-बार झूठ बोल रहे हैं।''

कुमार ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार ने 27 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला था, लेकिन मौजूदा सरकार की नीतियों के चलते ये लोग फिर से गरीबी की गिरफ्त में चले गए। उन्होंने कहा,अगर आज आप 20 हजार रुपये मासिक कमा रहे हैं कि आप देश के पांच प्रतिशत सबसे अमीर लोगों में गिने जाएंगे...इस सरकार ने देश की हालत यह हर दी है कि आज 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज पर निर्भर रहने को मजबूर होना पड़ रहा है।'' कुमार ने दावा किया, देश में इतनी गरीबी है, कि 2021 में 11 करोड़ से अधिक लोगों मनरेगा के तहत काम के लिए आवेदन किया। मनरेगा के तहत आप किसी को काम नहीं देने से मना नहीं कर सकते, लेकिन प्रधानमंत्री ने यह कानून तोड़ा। सरकार ने बड़ी संख्या में लोगों को मनरेगा के तहत काम देने से मना किया।पीएम मोदी को अपनी नाकामी छिपाने की बजाय बेरोजगारी और महंगाई जैसी चुनौतियों से निपटने पर ध्यान देना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला कर कांग्रेस को आपातकाल, सिख विरोधी दंगों और कश्मीरी पंडितों के पलायन के लिए जिम्मेदार बताकर कहा कि लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा परिवारवादी पार्टियों से है।

अखिलेश ने किया 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने और दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का वादा

लखनऊ (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी के बाद समाजवादी पार्टी ने भी घोषणा पत्र जारी कर दिया है। अखिलेश ने इसकी घोषणा करते हुए युवाओं, किसानों, महिलाओं के लिए कई बड़े वादे किए।सपा की सरकार बनने पर 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा कर चुके अखिलेश ने हर बीपीएल परिवार को साल में दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने की घोषणा की। बाइक चालकों को हर महीने एक लीटर पेट्रोल, ऑटो चालकों को हर महीने तीन लीटर पेट्रोल और लीटर सीएनजी मुफ्त देने का वादा किया है।इतना ही नहीं, प्रदेश में समाजवादी कैंटीन की शुरुआत होगी, जिसमें 10 रुपए में खाना मिलेगा।

अखिलेश ने कहा कि हर कृषि उत्पाद की खरीद एमएसपी पर होगी। बीजेपी की तरह ही सपा ने भी 15 दिन के भीतर गन्ना भुगतान का वादा किया है। इसके अलावा सिंचाई के लिए भी मुफ्त बिजली देने की बात कही गई है। सीमांत किसानों को 2 बोरी डीएपी और 6 बोरी यूरिया मुफ्त दी जाएगी। 2025 तक किसानों को कर्ज मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। सपा पेंशन के तहत महिलाओं, वृद्धों और दिव्यांगों को सालाना 18 हजार रुपए पेंशन मिलेगी। अखिलेश ने कहा कि उनकी सरकार बनी,तब गांवों और शहरों को सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी देकर सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

12वीं पास सभी छात्रों को लैपटॉप देने की घोषणा की गई है। इसके अलावा हर गांव-शहर में वाई-फाई सुविधा उपलब्ध करवाने बात कही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि लड़कियों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। स्कूलों में अंग्रेजी शिक्षा पर जोर दिया जाएगा। यूपी को 2027 तक शत प्रतिशत साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। हर मंडल में एक सैनिक स्कूल बनाने की बात कही गई है।

प्रदेश में मुफ्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का वादा कर अखिलेश ने कहा कि सभी 18 मंडलों में सुपर स्पेसिएलिटी अस्पताल बनेगा, इनमें पांच सुपर स्पेसिएलिटी अस्पताल ग्रामीण क्षेत्रों में बनने हैं।

राज्यसभा से कांग्रेस का वॉकआउट पी. चिदंबरम का मोदी सरकार पर बड़ा वार

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद के उच्च सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के जवाब में पीएम मोदी के बयान के दौरान कांग्रेस सांसद राज्यसभा से वॉकआउट कर गए। उन्होंने कहा कि बजाय जवाब देने के कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाए जा रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी। चिदंबरम ने मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह बिना आंकड़े वाली एनडीए सरकार है। चिदंबरम ने कहा कि संसद के अंदर एक सवाल पूछा गया था कि आखिर कौन टुकड़े-टुकड़े गैंग का सदस्य है? मंत्री की तरफ से जवाब दिया गया कि कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। पी. चिदंबरम ने सरकार पर और हमला तेज करते हुए आगे कहा कि टुकड़े-टुकड़े गैंग पर कोई आंकड़ा नहीं है, और न ही ऑक्सीजन से हुई मौतों को लेकर। इतना ही नहीं। गंगा नदी में लाशें बह रही थी, श्रमिक पैदल घर जा रहे थे, लेकिन कोई आंकड़ा नहीं है। यह बिना आंकडे वाली एनडीए सरकार है। इधर, कांग्रेस के सदन से वॉकआउट करने पर राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- हमें वॉकआउट करना पड़ा क्योंकि भाषण में अपने मुद्दे रखने की बजाए या राष्ट्रपति जी ने अपने भाषण में जो कहा उसे प्रस्तावित करने की बजाए वो (पीएम) सिर्फ कांग्रेस पर टीका-टिप्पणी करते गए। उन्होंने सिर्फ कांग्रेस पार्टी को टारगेट किया। उन्होंने कहा कि आगे क्या करने वाले हैं, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर कुछ नहीं बोला। कांग्रेस के परिवारवाद, 70 साल और फलां-फलां कहा। हमारे प्रश्नों के उत्तर दीजिए। खड़गे ने कहा कि उत्तर देने के बजाए कांग्रेस को टारगेट किया गया। खड़गे ने कहा कि महंगाई, कोरोना की दूसरी लहर में असफलता पर कुछ नहीं बोला। सब छोड़कर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा गया।

आजम की चुनाव प्रचार की इच्छा नहीं हुई पूरी, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली (ईएमएस)।मंगलवार को समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान की अंतरिम जमानत अर्जी पर सुनवाई हुई।सुप्रीम कोर्ट की ओर से आजम की जमानत अर्जी खारिज कर दी गई है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एल नागेश्वर राव की बेंच ने मामले की सुनवाई कर आजम को जमानत देने से इनकार कर दिया है।चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेने के लिए आजम की तरफ से अंतरिम जमानत की मांग की गई थी। आजम के वकील कपिल सिब्बल की ओर से सुप्रीम कोर्ट में कहा गया कि हाईकोर्ट में कई महीने से याचिका लंबित हैं, सुनवाई नहीं हो पा रही है।जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट की तरफ से मामले को इलाहाबाद हाई कोर्ट को भेजकर साथ ही हाईकोर्ट से कहा कि वह जल्द मामले को सुनने की कोशिश करे।

गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अपनी याचिका में खान ने कहा था कि राज्य में 10 फरवरी से मार्च तक विधानसभा चुनावों के दौरान वो जेल में रहने की वजह से खुद के लिए और अपनी पार्टी के लिए प्रचार नहीं कर सकते।

अपना पुष्कर फ्लावर भी है,और फायर भी हैं, ना कभी झुकेगा : राजनाथ

पिथौरागढ़ (ईएमएस)। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पिथौरागढ़ जिले के गंगोलीहाट में मंगलवार को चुनावी जनासभा को संबोधित कर कहा कि भाजपा का नारा सबका साथ, सबका विश्वास है। कांग्रेस का नारा अपना विकास और सबका अविश्वास है।इस दौरान रक्षामंत्री ने कहा कि आजकल पुष्पा फिल्म का नाम काफी चर्चा में है और हमारे सीएम का नाम पुष्कर है, लेकिन यह पुष्कर नाम सुनकर कांग्रेस के लोग समझते हैं कि ये पुष्कर,तब फ्लॉवर है, लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि अपना पुष्कर फ्लावर भी है और फायर भी। हमारा पुष्कर ना कभी झुकेगा, ना कभी रुकेगा।

रक्षामंत्री ने प्रत्याशी फकीर राम टम्टा के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जब-जब भाजपा की सरकार आई तब विकास भी हुआ। उन्होंने कहा कि एक वर्ष के भीतर राज्य को एक लाख करोड़ से अधिक की धनराशि केंद्र की मोदी सरकार ने उत्तराखंड में खर्च किए हैं। भाजपा कभी भी उत्तराखंड की जनता के विश्वास को टूटने नहीं देगी। अपने संबोधन राजनाथ ने हरीश रावत पर भी व्यंग कसकर कहा कि हमारा कोई भी मंत्री भ्रष्टाचार में संलिप्त नहीं है।

जन हितैषी

फिर कश्मीर राग

दुनिया भर में कश्मीर के मुद्दे पर दुत्कारे जाने के बाद अब पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को लेकर चीन की चौखट पर पहुंचा है। हालांकि, यहां भी उसे आश्वासन और एक बयान के अलावा कुछ खास हासिल नहीं हुआ। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान विटंर ओलंपिक की ओपनिंग सेरेमनी में शामिल होने के लिए चार दिन के दौरे पर बीजिंग पहुंचे थे। इसके आखिरी दिन उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। इमरान ने इस मुलाकात में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे में आ रही अड़चनों और चीनी वर्कर्स पर बार बार हो रहे हमलों के बारे में भी बात की। कश्मीर को लेकर चीन की तरफ से कहा गया कि वो किसी भी एकतरफा कार्रवाई का विरोध करता है और कश्मीर मुद्द को ठीक से और शांति से हल करने का आह्वान करता है। इससे पहले भी इमरान कई फोरम पर कश्मीर का मुद्दा उठा चुके हैं, मगर हर जगह से उन्हें नाकामी हाथ लगी। थक हारकर उन्होंने अपना स्टैंड बदला और यह कहा कि वे भारत के साथ अच्छे रिश्ते बनाए रखने और कश्मीर सहित सभी मसलों को बातचीत के जरिए सुलझाने के पक्ष में हैं, अगर भारत एक कदम बढ़ता है तो हम दो कदम बढ़ेंगे। उनके इस कथन में भी कश्मीर राग छिपा था, सो भारत ने उनकी पहल को नकार दिया। भारत का शुरू से दृढ़ मत रहा है कि कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। भारत हमेशा से कहता आया है कि कश्मीर मसले पर वह पाकिस्तान के साथ बातचीत को हमेशा तैयार है, लेकिन इसके लिए सबसे पहले वह सीमापार आतंकवाद को बंद करे। लेकिन जब इमरान यह तक कह रहे हैं कि पाकिस्तान कश्मीरी लोगों को नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन देता रहेगा, तो फिर कश्मीर मसला बातचीत से सुलझाने की गुंजाइश ही कहां रह जाती है! साफ है कि पाकिस्तान वही करेगा जो अब तक करता आया है। पाकिस्तान में पीटीआई की सरकार बनी ही सेना के समर्थन से है। इसलिए कश्मीर मसले पर सरकार का रुख सेना से अलग कैसे हो सकता है! पाकिस्तान की सेना कश्मीर को भारत के खिलाफ बड़े हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की रणनीति पर चलती आई है। पाकिस्तान का इतिहास बताता है कि अब तक जितनी भी निर्वाचित सरकारें सत्ता में रहीं या जो सैन्य शासक रहे, कश्मीर पर सबका एक ही रुख रहा है और अल्वी भी इसी रास्ते पर बढ़ रहे हैं। दरअसल, अभी तक भारत के प्रति पाकिस्तान के रवैए में कोई बड़ा सकारात्मक बदलाव नजर नहीं आया है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि भारत सरकार फिलहाल 'देखो और प्रतीक्षा करोळ की नीति पर चले, यही बेहतर है। इमरान खान सरकार के सामने इस वक्त सबसे बड़ी चुनौती पाकिस्तान का आर्थिक संकट है। देश की अर्थव्यवस्था पेंदे में जा चुकी है। पाकिस्तान तीस खरब डॉलर के कर्ज में डूबा है। भारत साफ कह चुका है कि पड़ोसी देश से बात तभी हो सकती है जब माहौल अनुकूल होगा। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि घाटी में पाकिस्तान-परस्त तत्वों की सक्रियता की एक बड़ी वजह अनुच्छेद 370 ही था। वे इस अनुच्छेद को इस रूप में पेश करते थे, जैसे कश्मीर भारत से भिन्न् है और उसे देश से अलग होने का अधिकार है। इस अनुच्छेद का खात्मा केवल इसलिए जरूरी नहीं था कि वह अलगाववादियों की आड़ और औजार बन गया था, बल्कि इसलिए भी था, क्योंकि उसके जरिए पाकिस्तान यह दुष्प्रचार करने में समर्थ था कि उसे इस भारतीय भू-भाग में दखल देने का अधिकार है। अनुच्छेद 370 खत्म करने के बाद पाकिस्तान बुरी तरह बौखलाया तो इसीलिए कि वह कश्मीर का राग अलापने की फर्जी आड़ से हाथ धो बैठा। पाकिस्तान की बौखलाहट की परवाह न करते हुए भारत को यह रेखांकित करते रहना चाहिए कि वास्तव में उसे गुलाम कश्मीर में हस्तक्षेप करने का अधिकार है। इससे ही पाकिस्तान और साथ ही कश्मीर में उसकी तरफदारी करने वालों के हौसले पस्त होंगे। जहां तक नजरबंद कश्मीरी नेताओं की रिहाई की मांग है, तो इस पर विचार तभी किया जाना चाहिए जब यह भरोसा हो जाए कि वे अलगाववादी तत्वों को उकसाने का काम नहीं करेंगे।

...महका करेंगे--

(आदरांजलि स्वर सम्राज्ञी लता मंगेशकर)

बसंतऋतु नवांकुरों की चैतन्यता का प्रतीक है। स्वर्णिम (हेमा अर्थात स्वर्ण, लता जी के बचपन का नाम) लता की यशकाया से आलौकित यह प्रकृति विश्व कल्याण के लिए कोलाहलपूर्ण संगीत से विरक्त मानवीय गुणों का सृजन कर उसके उत्सर्ग का आह्वान करती है। यह संयोग ही है कि जब देश 'छ्व%च्द्गद्भछ बदल गया इंसान.. के सर्जक महान कवि प्रदीप की जयंती मना रहा था तभी लता जी का स्वर उखड़ गया। आजादी का उत्सव मनाने के लिए वाग्धारा की शक्ति, उसकी अनिवार्यता की पर्याय से किवदंती रहीं लता ने फिल्म महिती मंगलागौर के 'नटकी चैगाची..' गीत से इस जगत में पदार्पण किया। किताबी ज्ञान के विद्यालय से वंचित होने के बावजूद अल्पायु में ही रागपूरिया धनाश्री के रियाज से लता ने वह मुकाम हासिल कर लिया जिसमें पंडित कुमार गंधर्व को कहना पड़ा-'जिस कण(लयकारी का सूक्ष्म भेद) या मुरकी को कण्ठ से व्यक्त करने में कुशल शास्त्रियों को आकाश-पाताल एक करने जैसी मशक्कत करनी पड़ती है, लता उसे सहजता ही पूर्ण करती हैं। उनके सुर से प्रभावित उनके गुरु उस्ताद बड़े गुलाम अली रियाज रोककर उनकी दाद देने को बाध्य होते हैं। गीतो की शाब्दिक शुचिता से उनका गहरा सरोकार था शायद इसलिए फिल्म आँखो-आँखों के एक गीत में 'चोली' शब्द की आपत्ति पर फिल्मकार जे ओमप्रकाश को गीत के बोल ही बदलने पड़े। जटिल धुनों के जादूगर सलिल चौधरी का 'ओ...सजना, बरखा बहार...सहजतापूर्वक पूर्ण कर उन्हें विस्मित करने वाली लता ....गैरों पे करम...., प्रभु तेरो नाम.....जिन्दगी की न टूटे लड़ी ...जैसे गीतों में अपना लोहा मनवाया। जाहिर है इतनी बड़ी सख्सियत का जीवन भी रहस्यों से अछूता नहीं रहा। शहीद जैसी फिल्मों के निर्माता शशधर की तरह बॉलीवुड के फ्यूजन किंग संगीतकार ओंकार प्रसाद नैयर भी लता के स्वर को मुफीद नहीं मानते। उन्हें उनकी आवाज में पाकीजगी(गांभीर्य, पवित्रता) की गुरता लेकिन शोखी का अभाव नजर आता है। हालांकि बाद में उन्होंने अपनी भूल स्वीकार की किंतु लता के स्वर के साथ अपना नाम अंकित कराने के गौरव से वे वंचित रह गये। राजस्थान के तत्कालीन राजपुत्र राजसिंह डूंगरपुर से निकटता के बावजूद उनके पिता की शाही परिवार में विवाह की इच्छा को महत्व देते हुए ताउम्र अविवाहित रहीं। महान गायक भूपेन्द्र हजारिका के साथ संबंधों को लेकर उनकी पत्नी प्रियंवदा के आरोप पर वे संयमित रहने लगीं।

अपने अर्द्धशतक सुरयात्रा में 30 हजार से अधिक गीत व 35 से अधिक भाषाओं के अनुपम कीर्तिमान के साथ 'मेरी आवाज ही पहचान है'.. की अनुगामी परम्परा छोड़कर इस नश्वर संसार से प्रयाण करने वाली वाग्धारा युगों-युगों तक हमारे मनश्पटलों पर जीवंत रहेंगी। (लेखक-राकेश कुमार वर्मा / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

09 फरवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2022 वर्ष का 40 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 08.31 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 00.23 बजे रात्र को समाप्त।
योग ब्रह्म 17.51 बजे को समाप्त।
करण बव 08.31 बजे तदनन्तर बालव 21.48 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 07.8 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 14° 45'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871154
जूलियन दिन 2459619.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना रज्जब **तारीख** 07
विशेष मासिक कार्तिगाई।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.20 बजे से
चंद्र	वृष में	मीन	08.53 बजे से
मंगल	धनु में	मेष	10.24 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.04 बजे से
गुरु	कुंभ में	मिथुन	14.02 बजे से
शुक्र	धनु में	कर्क	16.15 बजे से
शनि	मकर में	सिंह	18.32 बजे से
राहु	वृष में	कन्या	20.43 बजे से
केतु	वृश्चिक में	तुला	22.54 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	01.09 ब.से
12.00 से 1.30		धनु	03.25 बजे से
बजे तक		मकर	05.30 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गुलामी के प्रतीकों से लगाव की दूषित मानसिकता!

भारत में विभिन्न राष्ट्रीय पर्वों पर ढोए जाने वाले गुलामी के प्रतीक चिन्हों को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा तेजी से बदला जा रहा है। इससे गुलाम मानसिकता और भारत के बाहर स्थित अन्य राष्ट्रों में अपनी निष्ठाएं रखने वाले दलों व उनके नेताओं में बेचैनी का माहौल है। हाल ही में देश की राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस मनाया गया तो उसके समापन समारोह पर होने वाली बीटिंग रिट्रीट में से एक ऐसे गीत को हटा दिया गया, जिसका भारतीय संस्कृति, स्वाभिमान अथवा संप्रभुता से किसी भी प्रकार का सरोकार नहीं था। उसे ब्रिटिश मूल के एक कवि द्वारा रचा गया था और वह केवल और केवल ब्रितानी साम्राज्य को ही समर्पित था तथा उससे गुलामी मानसिकता की बू आती थी। उसके स्थान पर एक ऐसा गीत 'ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी' जोड़ा गया जो हमारी सेना के जवानों को समर्पित है। इस परिवर्तन को लेकर देशभर से जो बधाइयां और शुभकामनाएं संदेश आ रहे हैं, उन्हें देख सुनकर यह संतुष्टि प्राप्त होती है कि नागरिकों ने इस परिवर्तन को मुक्त कंठ से सराहा है और उसे हृदय से ग्रहण किया है। लेकिन यह जानकर आश्चर्य हुआ कि राष्ट्रीय निष्ठाओं के हित में किया गया यह परिवर्तन चंद राजनीतिक दलों, उनके नेताओं और उंगलियों पर गिने जा सकने वाले स्वयंभू प्रबुद्धजनों को रास नहीं आ रहा है। यह जानकर केवल बुरा ही नहीं लगा, मन व्यथित भी हुआ और अंतर्मन में यह सवाल उठ खड़ा हुआ कि देश के एक खास वर्ग, चुनिंदा राजनीतिक दलों और तथाकथित प्रबुद्ध जनों को वह सब क्यों भाता है, जिसे स्मरण करने मात्र से दासता अथवा गुलाम मानसिकता के जीवंत बने रहने का एहसास पैदा होता है। कौन हैं यह लोग? जो राष्ट्रीय स्वाभिमान, संस्कार और संस्कृति को मानने वालों को हमेशा दकियानूसी, सांप्रदायिक और संकुचित मानसिकता वाली दक्षिणपंथी विचारधारा का पोषक साबित करने में जुटे रहते हैं। जहां तक मेरा अध्ययन है, ये शब्द उन नेताओं, राजनीतिक दलों और कथित प्रबुद्ध जनों ने गढ़े हैं, जो खुद को वामपंथी विचारधारा का समर्थक मानकर गौरव का अनुभव करते हैं। यह खुद को वामपंथी मानें या फिर कुछ और, इसमें किसी को क्या एतराज हो सकता है? लेकिन इन्हें यह अधिकार किसने दिया कि जिनके विचारों से इनकी भारत के बाहर स्थित निष्ठाएं मेल नहीं खातीं, यह उन्हें दक्षिणपंथी, सांप्रदायिक और दकियानूसी शब्दों से पुकारना शुरू कर दें? सही बात तो यह है कि भारतीय संस्कृति में दक्षिणपंथी जैसी विचारधारा कोई थी ही नहीं और ना वर्तमान में ही है। किंतु हां, दो विचारधाराएं यहां लंबे अरसे से देखने को मिल रही हैं। इनमें से एक है सेक्यूलर वाद, जिसमें वामपंथी विचारधारा भी निहित है। इनका भारतीय संस्कृति और उसके गौरवशाली इतिहास से कोई लेना देना नहीं है। भारतीय शब्दावली में इसे धर्मनिरपेक्षता वाद कहा गया है। धर्म निरपेक्ष यानी कि जो धर्म से ही निरपेक्ष है, उस के पक्ष में कतई नहीं। दूसरी वह विचारधारा, जिसे इन्हीं के जैसे इतिहासकारों और तथाकथित प्रबुद्ध जनों ने राष्ट्रवाद का नाम दे रखा है। यह वह विचारधारा है जिसमें राष्ट्रीयता, अपनी संस्कृति और संस्कारों से प्रेम निहित हैं। इसमें धर्म युक्त आचरण अपेक्षित है और धर्म को सही मायने में दायित्व माना गया है। उदाहरण के लिए- पुत्र का पालन पोषण पिता का धर्म, माता पिता की सेवा पुत्र का धर्म, नागरिकों का हित करना राष्ट्र धर्म और राष्ट्र की रक्षा करना नागरिक का धर्म माना गया है। इनके लिए कहा जाने वाला दक्षिणपंथी अथवा राष्ट्रवादी शब्द सर्वथा गलत है। भारत का किसी भी वाद से कभी कोई लेना-देना रहा ही नहीं। पश्चिमी इतिहासों का अध्ययन करने के बाद हम यह पाते हैं कि 'वाद' का प्रादुर्भाव पश्चिमी मूल के 'इज्म' शब्द से हुआ है। यदि पश्चिमी इतिहासकारों द्वारा रचित साहित्य की बात करें तो उसमें 'इज्म' अथवा 'वाद' उस प्रक्रिया को कहा गया है, जो अपना अधिपत्य अथवा मत बलात् स्थापित करने या फिर दूसरों पर थोपने हेतु बलपूर्वक अपनाई गई। इस दृष्टि से देखा जाए तो विदेशी और खासकर पश्चिमी सभ्यता से प्रभावित वामपंथियों, धर्मनिरपेक्षता वादियों द्वारा दिए गए राष्ट्रवाद जैसे शब्दों को सही नहीं ठहराया जा सकता। क्योंकि वाद अथवा इज्म हमारे संस्कार में कभी रहा ही नहीं। यदि अपवाद स्वरूप देश के किसी राजा, बादशाह या फिर सामंत ने इसे बलात् थोपने के कुत्सित प्रयास किए भी, तो हमारे ही स्थानीय वीर योद्धाओं और विचारकों ने उन्हें सफल नहीं होने दिया। इनमें महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी और चंदबरदाई जैसे महामानवों के नाम लिए जा सकते हैं। हमारे ऐसे अनेक पूर्वज और हम देश प्रेमी अथवा राष्ट्रीयता के विचार से हमेशा ओतप्रोत रहे। हमारे देश में पहले राजशाही रही हो अथवा वर्तमान में लोकशाही, यहां के किसी भी शासक ने दूसरे राष्ट्रों के प्रति कभी भी ऐसा कोई कृत्य किया ही नहीं, जिससे वाद या फिर इज्म की तोहमत हम पर लगती हो। कहने का आशय यह कि सेक्यूलर वादियों और वामपंथियों द्वारा थोपे गए जिस राष्ट्रवाद शब्द का उल्लेख हम स्वयं भी अक्सर अपने राष्ट्र प्रेम से युक्त व्यवहार को लेकर अपने लिए करते रहते हैं, वह शब्द हमारी संस्कृति, संस्कारों और व्यवहार के अनुकूल नहीं। क्योंकि हम राष्ट्रवादी हैं ही नहीं, या तो हम राष्ट्रीय हैं अथवा फिर राष्ट्रप्रेमी। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि जो लोग हमें दक्षिणपंथी अथवा दकियानूसी कहते हैं, वे वास्तव में वामपंथी और सेक्युलर वादी ही हैं। इनमें से कुछ वे लोग हैं जो सेक्यूलरवाद अथवा धर्मनिरपेक्षता वाद की आड़ में तुष्टीकरण की फूट डालो राज करो वाली नीति अपनाते रहते हैं। दूसरे वाले लोग हैं जिन्हें भारत और भारतीयता से कोई लेना-देना नहीं। इनकी निष्ठाएं भारत के बाहर स्थित हैं। इनके लिए देश भारत माता ना होकर केवल एक जमीन का टुकड़ा है, जहां रहकर यह लोग अपनी राजनैतिक हितों की पूर्ति में लगे रहते हैं। अपना उल्लू सीधा करने में जुटे इन विचारधाराओं के पोषक लोगों का नारा बहुजन सुखाय हो सकता है। लेकिन जो राष्ट्र प्रेमी हैं और देश को मातृभूमि के रूप में पूजते हैं, उन्होंने हमेशा सर्वजन सुखाय की नीति का पालन करने में ही संतुष्टि की अनुभूति पाई है। लिखने का आशय केवल इतना सा है कि हम ना तो दक्षिणपंथी हैं और ना ही राष्ट्रवादी। हम राष्ट्रीय हैं और राष्ट्र प्रेमी हैं। और जो लोग इस विचारधारा का विरोध करते हैं वह निश्चित तौर पर अराष्ट्रीय और राष्ट्र शत्रु ही कहे जा सकते हैं। (लेखक- डॉ राघवेंद्र शर्मा / ईएमएस)

कांग्रेस पर मोदी का प्रहार

संसद के नए सत्र में राष्ट्रपति का भाषण राष्ट्रीय ज्यादा, राजनीतिक कम ही होता है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने धन्यवाद प्रस्ताव में कांग्रेसी सांसदों के धुर्रे उड़ाकर रख दिए। उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियां भारी-भरकम आंकड़ों के साथ गिनाई हीं, उनके साथ-साथ उन्होंने कांग्रेस पर इतने भीषण प्रहार किए कि आनेवाले कई दिनों तक कांग्रेसी नेताओं के घाव हरे रहेंगे। कांग्रेसी नेता राहुल ने भी यों तो कोई कमी नहीं छोड़ी थी, मोदी सरकार की टांग खींचने में लेकिन राहुल का भाषण शायद कुछ नौसिखियों ने तैयार करवाया था, जिसकी महापंडिताई के कारण राहुल मजाक के पात्र बन गए। मोदी के नीति-निर्माण सलाहकार जैसे भी हों लेकिन उनके भाषण-सलाहकार उत्तम कोटि के हैं, उसमें कोई शक नहीं है। मोदी ने अपने भाषण में कांग्रेस की दयनीति दशा को प्रकट करने में तथ्यों का अंबार लगा दिया। उन्होंने कहा कि लगभग 60 साल तक भारत पर एकछत्र राज करनेवाली कांग्रेस पार्टी ने अब संकल्प कर लिया है कि वह अब अगले सौ साल तक सत्ता में नहीं आएगी। उसे नागालैंड में शासन किए 24 साल, ओडिशा में 27 साल, झारखंड में 37 साल और तमिलनाडु में 50 साल हो गए हैं। जिन राज्यों में 2014 और 2019 के पहले भी उसका राज्य रहा, वह भी कभी रहा, कभी नहीं रहा। बंगाल, केरल, कश्मीर, म.प्र., उ.प्र., राजस्थान, गोवा आदि में भी बराबर फेर-बदल होता रहा। जो तेलंगाना उसने बनाया, उसमें भी वह पिट गई। यह इसीलिए हो रहा है कि वह ऊर्ध्वमूल हो गई है याने उसके जड़े जमीन में नहीं, जनता में नहीं, ऊपर याने हवा याने नेताओं याने गांधी परिवार में हो गई है। मेरे शब्दों में कहूं तो वह प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन गई है। उसे जनता के दुख-दर्द से कोई मतलब नहीं है। उसने अपने आंखों पर पट्टी बांध रखी है। सरकार ने जिस बहादुरी से कोरोना को हराया है, मंहगाई को काबू में रखा है, करोड़ों असमर्थ लोगों को अनाज बांटा है, आयकरदाताओं की संख्या दुगुनी कर दी है, इस कोरोना-काल में नए-नए करोड़ों काम-धंधे लोगों को शुरु करवाए हैं, वे सब कांग्रेस को दिखते ही नहीं हैं। अगर कांग्रेस को आईना दिखाएं तो अपना चेहरा देखने की बजाय वह आईने को ही तोड़ देना पसंद करेगी। कांग्रेस के जमाने में जैसे भ्रष्टाचार ही शिष्टाचार बन गया था, क्या भाजपा सरकार पर कोई उंगली भी उठा सकता है? किसानों ने अनाज-उत्पादन के नए रिकॉर्ड कायम किए हैं। छोटे किसानों की दशा सुधारने के लिए सरकार ने कई पहल की हैं लेकिन कांग्रेस मोटे किसानों को भड़काती रही। मोदी ने उत्तरप्रदेश के चुनाव का जिक्र किए बिना वहां किए गए भाजपा के कई लोक-कल्याणकारी कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने जवाहरलाल नेहरु द्वारा उनके जमाने में बढ़ी हुई मंहगाई पर दी गई सफाई का भी मजाक उड़ाया। भाजपा पर कांग्रेस विभाजनकारी राजनीति का जो आरोप लगाती आ रही है, उसी टोपी को मोदी ने कांग्रेस के सिर पर मढ़ दिया। मोदी ने कांग्रेस को 'बांटो और राज करो' की नीतिवाली पार्टी बताया। कहा कि वह एक राष्ट्र की अवधारणा में विश्वास नहीं करती। वह टुकड़े-टुकड़े गेंग बन गई है। इसमें शक नहीं है कि कांग्रेस के पास प्रतिभाशाली और प्रभावशाली वक्ताओं की कमी नहीं है लेकिन अफसोस है कि वे इंदिरा गांधी परिवार के सदस्य नहीं हैं।(लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

आज का इतिहास 9 फरवरी

1757 क्लाइव और सिराजुद्दौला के बीच संधि हुई, जिसमें उसने अंग्रेजों को अनेक रियायतें दी.
1788 आस्ट्रिया-तुर्की में युद्ध भड़का.
1849 रोम गणराज्य बना.
1891 इथोपिया नरेश मेनलेक ने इटली के दावे को अस्वीकार कर दिया.
1914 रोमानिया, यूनान, यूगोस्लाविया और तुर्की में बाल्कन समझौता.
1943 द्वितीय विश्वयुद्ध में गुआडकनाल में अमरीकी सैनिकों ने जापानियों को शिकस्त दी.
1951 भारत में प्रथम जनगणना का कार्य शुरू हुआ.
1962 जमैका स्वतंत्र हुआ.
1964 राष्ट्रसंघ महासचिव ने इथोपिया और सोमालिया से संघर्ष समाप्त करने का आह्वान किया.
1971 लास एंजेल्स में भूकंप से 64 लोगों की मौत हुई.
1988 खाड़ी क्षेत्र में आसमानी लड़ाई में ईरान ने इराक के तीन विमान मार गिराने का दावा किया.
1990 केन्या के विदेशमंत्री राबर्ट ओको अपने फार्म हाऊस में मृत मिले.
2001 पूरे देश में जनगणना प्रारंभ.
2002 कोलकाता हमले के मुख्य आरोपी आफताब अंसारी को सीबीआई दुबई से दिल्ली ले आई.
2005 नानावटी आयोग ने सिख दंगों की रिपोर्ट सरकार को सौंपी.
2007 प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा ने एफ-18 विमान उड़ाकर आसमां पर सफलता की एक और इबारत लिख दी. टाटा ने इससे पहले एफ-16 युद्धक विमान उड़ाया था.

पाक को बुद्धू बना रहा चीन

पेइचिंग के ओलंपिक समारोह में रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान भी शामिल हुए। भारत ने उसका बहिष्कार कर रखा है। इसमें आशंका यह थी कि चीन पुतिन को पटाएगा और कोई न कोई भारत-विरोधी बयान उससे जरुर दिलवाएगा। ऐसा इसलिए भी होगा कि भारत आजकल अमेरिका के काफी नजदीक चला गया है और रूस व अमेरिका, दोनों ही यूक्रेन को लेकर आमने-सामने हैं। इसके अलावा इमरान खान भारत-विरोधी बयान पेइचिंग में जारी नहीं करवाएंगे तो कहां करवाएंगे? आजकल कश्मीर पर सउदी अरब, यूएई और तालिबान भी लगभग चुप हो गए हैं तो अब बस चीन ही एक मात्र सहारा बचा है लेकिन आप यदि चीन-पाक संयुक्त वक्तव्य ध्यान से पढ़ें तो आपको चीन की चतुराई का पता चल जाएगा। चीन ने अपना रवैया इतनी तरकीब से प्रकट किया है कि आप उसका जैसा अर्थ निकालना चाहें, निकाल सकते हैं। तीन-चार दशक पहले वह जिस तरह से कश्मीर पर पाकिस्तान का स्पष्ट समर्थन करता था, वैसा अब नहीं करता है। उसने यह तो जरुर कहा है कि कश्मीर समस्या का हल सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव, संयुक्तराष्ट्र घोषणा-पत्र और आपसी समझौतों से हल किया जाना चाहिए। इसका मतलब क्या हुआ? सुरक्षा परिषद के जनमत-संग्रह के प्रस्ताव को तो उसके महासचिव खुद ही अप्रासंगिक घोषित कर चुके हैं और कह चुके हैं कि आपसी समझौते के लिए बातचीत का रास्ता ही सर्वश्रेष्ठ है। मैं तो पाकिस्तान के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों से हमेशा यही कहता रहा हूं कि युद्ध और आतंकवाद के जरिए कश्मीर को हथियाना आपके लिए असंभव है लेकिन भारत और पाकिस्तान आपस में मिल-बैठकर समाधान निकालें तो कश्मीर का हल निकल सकता है। इस चीन-पाक संयुक्तवक्तव्य के अगले पैरे में यही बात साफ-साफ कही गई है। यह साफ है कि किसी बाहरी महाशक्ति की दखलंदाजी का परिणाम कुछ नहीं होगा। उल्टे, वह राष्ट्र पाकिस्तान को बुद्धू बनाता रहेगा और अपना उल्लू सीधा करता रहेगा। चीन का यह कहना कि कश्मीर में 'एकतरफा कार्रवाई' ठीक नहीं है। यह सुनकर पाकिस्तान खुश हो सकता है कि चीन ने धारा 370 के खात्मे के विरुद्ध बयान दे दिया है। लेकिन चीन ने यहां गोलमाल भाषा का इस्तेमाल किया है। इस मुद्दे पर भी वह साफ-साफ नहीं बोल रहा है। अगर वह बोलेगा तो भारत उसके सिंक्यांग प्रांत के उइगर मुसलमानों पर हो रहे अत्याचारों पर चुप क्यों रहेगा? जहां तक रूस का सवाल है पुतिन ने कोई लिहाजदारी नहीं बरती, चीन की तरह! उसने साफ़-साफ़ कह दिया कि कश्मीर द्विपक्षीय मामला है। दिल्ली के रूसी दूतावास ने एक बयान में यह भी स्पष्ट कर दिया कि 'रेडफिश चैनल' नामक एक रूसी चैनल के इस कथन से वह बिल्कुल भी सहमत नहीं है कि कश्मीर अब फिलस्तीन बनता जा रहा है। रूस का यह रवैया चीन के मुकाबले दो-टूक है लेकिन चीन के उलझे हुए रवैए का रहस्य यही है कि उसे पश्चिम एशिया और यूरोप तक रेशम महापथ बनाने के लिए पाकिस्तान को साधे रखना बेहद जरुरी है। यह रेशम महापथ 'कब्जाए हुए कश्मीर' में से ही होकर आगे जाता है। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ ईएमएस)

धरती पर हिमालय से 3 गुना बड़े पहाड़ों की खोज, पृथ्वी पर यह अहम काम करते थे सुपरमाउंटेन

मेलबोर्न (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने धरती पर हिमालय से भी 3 गुना बड़े पहाड़ों की खोज की है। ऑस्ट्रेलिया के नेशनल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता जियी झू और उनके साथियों ने धरती के पूरे इतिहास में प्राचीन सुपरमाउंटेन के निर्माण की जांच की है। उन्होंने इसके लिए कम ल्यूटेशियम वाले खनिज पदार्थ जिरकोन के अवशेषों का इस्तेमाल किया है। यह खनिज मिनरल और रेअर अर्थ से मिलकर बना होता है और विशाल पहाड़ों की जड़ों में पाया जाता हैं, जहां पर बहुत ज्यादा दबाव होता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि सबसे पहले सुपरमाउंटेन 2 से 1.8 अरब साल पहले उस समय बने थे जब नूना महाद्वीप का जमाव हो रहा था। वहीं दूसरी बार 65 करोड़ से 50 करोड़ साल पहले गोंडवाना महाद्वीप के निर्माण के समय सुपरमाउंटेन बना था। झू ने कहा दोनों बार सुपरमाउंटेन बनने और धरती के विकास में दो सबसे अहम काल के बीच संबंध है। आज के समय में ऐसे कोई सुपरमाउंटेन नहीं हैं।

यह केवल उनकी ऊंचाई नहीं है, बल्कि अगर आप कल्पना करें तो 2400 किमी लंबे हिमालय को 3 या 4 गुना बार दोहराया जाए तब उसके आकार का आपको अंदाजा लगेगा। झू ने कहा हम नूना सुपरमाउंटेन को पहला उदाहरण बुलाते हैं। उन्होंने कहा दोनों ही सुपरमाउंटेन महाद्वीपों के निर्माण के दौरान ऊपर उठे। उन्होंने कहा कि इन विशालकाय पहाड़ों का क्षरण पहले माइक्रोस्कोपिक जीवधारियों के उदय, रेडिएशन, क्लोरोफाइट एल्गी के विस्तार और पशुओं के जैसे विशाल जीवधारियों के उदय से जुड़ा हो सकता है।

उन्होंने कहा दूसरा सुपर माउंटेन ट्रांसगोंडवाना था जो 57 करोड़ 50 लाख साल पहले पहली बार विशाल पशुओं के पैदा होने से जुड़ा हुआ है। एक अन्य शोधकर्ता प्रोफेसर जोचेन ब्रोक्स ने कहा जो चौकाने वाला है कि अब पहाड़ों के विकास के समय का पूरा रेकॉर्ड बहुत स्पष्ट हो गया है। उन्होंने कहा कि यह दो बार हुआ है। इसमें से एक पशुओं के पैदा होने और दूसरा जटिल विशाल बड़ी कोशिकाओं से जुड़ा हुआ है। वैज्ञानिकों ने कहा कि जब पहाड़ों का क्षरण हुआ तब इससे महत्वपूर्ण पोषक तत्व जैसे फॉस्फोरस और लोहा समुद्र में मिल गया। यही नहीं सुपरमाउंटेन ने वातावरण में ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाने का काम किया जो सांस के लिए जरूरी था। झू ने कहा कि शुरुआती धरती पर वातावरण के अंदर कोई ऑक्सीजन नहीं था।

शब्द पहेली - 7192

बाएँ से दाएँ

1. सावधान, सचेत-3
3. खूबसूरत-3
5. वचन, प्रतिज्ञा-2
6. हत्या, मर्डर-2
8. तब तक, अवधि में-4
10. चरित्र, लक्षण-3
12. रूस की मुद्रा-3
13. परागकण-2
14. नाखून-2
15. छुटकारा, आजादी-3
17. तट, किनारा-3
19. ईश्वर, भगवान -4
21. अधीन, काबू-2
23. नवीन, नवजात-2
24. लेखनी, पेन-3
25. लाईन, रेखा -3

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, सदैव-2
2. विष, जहर-3
3. गर्भ-3
4. नया, नवल-2
5. पुनरागमन-3
7. मस्ती, उछलकूद-3
8. स्वभाव, आदत-4
9. नुकसान, घाटा-2
12. कपोल, गाल-4
15. शान्ति, सन्नाटा-3
16. ताकत, दम, बल-2
18. बोलने का तरीका-3
19. प्रतिज्ञा, वचन-3
20. आज्ञापालन-3
22. वहम, संदेह-2
23. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -7191 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

खेल मनोवैज्ञानिक के रहने का लाभ मिला : मिताली

क्वींसटाउन (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान मिताली राज ने कहा है कि उनकी टीम को न्यूजीलैंड दौरे पर खेल मनोवैज्ञानिक के रहने से दबाव का सामना करने में सहायता मिली है। मिताली के अनुसार कोरोना महामारी के इस दौर में जब टीमों को पाबंदियों के बीच रहना पड़ता है तब इस तरह के विशेषज्ञों की सहायता अच्छी रहती है। भारतीय टीम खेल मनोवैज्ञानिक मुग्धा बवारे के साथ दो महीने से न्यूजीलैंड दौरे पर है। मिताली ने पहले भी कहा था कि नॉकआउट मैचों का दबाव झेलने के लिए टीम को मनोवैज्ञानिक की जरूरत है और अब जबकि बायो बबल में रहन पड़ रहा है तब इसकी जरुरत और बढ़ जाती है। मिताली ने कहा कि आज के समय में लंबे दौरों, पृथकवास और बायो बबल के बीच मनोवैज्ञानिक सहायता और जरुरी हो गयी है। भारतीय टीम का यह दौरा दो महीने का है जिसमें टीम को एकदिवसीय के साथ ही टी20 श्रृंखला भी खेलनी है। इसलिए खेल मनोवैज्ञानिक के साथ व्यक्तिगत सत्र काफी अहम है। उन्होंने कहा कि इससे आपको स्वयं को समझने में मदद मिलती है जिससे आप दबाव और पृथकवास का बेहतर तरीके से सामना कर सकें।

पुजारा रणजी ट्रॉफी के लिए सौराष्ट्र टीम में शामिल

राजकोट (ईएमएस)। अनुभवी टेस्ट क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा को गुरुवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सौराष्ट्र टीम में शामिल किया गया है। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी 21 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। सौराष्ट्र को इस टूर्नामेंट के एलीट ग्रुप डी में रखा गया है। टीम अपने लीग मुकाबले अहमदाबाद में खेलेगी। ग्रुप डी में सौराष्ट्र के साथ मुंबई, ओडिशा और गोवा भी शामिल है। टीम की कप्तानी बाएं हाथ के अनुभवी तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट को सौंपी गई है। टीम अभी यहां एससीए स्टेडियम में अभ्यास कर रही है। युवा तेज गेंदबाज चेतन सकारिया को भी टीम में जगह दी गयी है।

गौरलब है कि कोविड-19 महामारी के कारण पिछले साल रणजी ट्रॉफी नहीं खेली गयी थी। इस साल भी इस टूर्नामेंट की शुरुआत जनवरी में होनी थी पर देश भर में कोरोना वायरस की तीसरी लहर के कारण इसे स्थगित करना पड़ा था। इस टूर्नामेंट का आयोजन अब दो चरण में होगा। पहला चरण देश भर के आयोजन स्थलों पर गुरुवार से शुरू होकर 15 मार्च तक चलेगा। इसके बाद आईपीएल मुकाबलों को देखते हुए दूसरा चरण 30 मई से 26 जून तक होगा।

टीम इस प्रकार है - जयदेव उनादकट (कप्तान), चेतेश्वर पुजारा, शेल्डन जैकसन, अर्पित वसावदा, चिराग जानी, कमलेश मकवाना, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, चेतन सकारिया, प्रेरक मांकड़, विश्वराजसिंह जडेजा, हार्विक देसाई, केविन जीवराजानी, कुशांग पटेल, जय चौहान, समर्थ व्यास, पार्थकुमार भुट, युवराजसिंह चूडासामा, देवांग करामता, स्नेल पटेल, किशन परमार और आदित्य जडेजा।

टीम इंडिया दूसरे एकदिवसीय में भी वेस्टइंडीज को हराकर सीरीज जीतने उतरेगी

दोपहर डेढ बजे शुरू होगा मैच

अहमदाबाद (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम यहां दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भी मेहमान टीम वेस्टइंडीज को हराकर सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी। भारतीय भारतीय टीम पहले एकदिवसीय में जीत के साथ ही तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे है। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा शायद ही अधिक बदलाव करें। टीम में उपकप्तान केएल राहुल की इस मैच से वापसी होगी। राहुल निजी कारणों से पहले एकदिवसीय मैच में शामिल नहीं थे। ऐसे में उनकी वापसी से ईशान किशन को बाहर बैठना पड़ सकता है। ईशान ने पहले एकदिवसीय में रोहित के साथ ही पारी शुरु की थी। ईशान के आलावा दीपक हुड्डा को भी शायद ही अंतिम ग्यारह में जगह मिले। टीम प्रबंधन पूर्व कप्तान विराट कोहली, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव के क्रम में शायद ही बदलाव करे। कोहली इस मैच में बड़ी पारी खेलन चाहेंगे क्योंकि पहले एकदिवसीय में वह नाकाम रहे थे। पहले एकदिवसीय में स्पिनर युजवेंद्र चहल और वाशिंगटन सुंदर ने अच्छी गेंदबाजी की थी और वह अपनी इसी लय को बनाये रखना चाहेंगे। रोहित ने पहले एकदिवसीय में जिस प्रकार अर्धशतक लगाया था और टीम को एक अच्छी शुरुआत दी थी। वैसा ही वह इस मैच में भी करना चाहेंगे। राहुल की वापसी से देखना यह होगा कि वह रोहित के साथ पारी की शुरूआत करते हैं या मध्यक्रम में उतरते हैं।

राहुल निजी कारणों से पहला मैच नहीं खेले थे। वह पारी की शुरूआत करते हैं तो ईशान को बाहर होना पड़ेगा जबककि अगर वह मध्यक्रम में खेलते हैं तो हुड्डा को बाहर होना पड़ेगा। वहीं गेंदबाजी में चहल और वाशिंगटन में से किसी एक की जगह पर चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को उतारा जा सकता है। तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज , और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाजों के पास रहेगी। वहीं दूसरी दूसरी ओर मेहमान टीम वेस्टइंडीज पहले मैच की हार से उबरकर इस मैच में जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। पहले मैच में उसके बल्लेबाज नाकाम रहे थे और टीम निर्धारित ओवर तक नहीं खेल पायी थी। कप्तान कीरोन पोलार्ड के अलावा अनुभवी खिलाड़ी जैसन होल्डर ने पहले मैच की हार के बाद कहा था कि उनके बल्लेबाजों को जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करनी होगी।

दोनों टीमें इस प्रकार

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप कप्तान), मयंक अग्रवाल, रुतुराज गायकवाड़, शिखर धवन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), दीपक हुड्डा, ऋषभ पतं (विकेटकीपर), दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आवेश खान।

वेस्टइंडीज : कीरोन पोलार्ड (कप्तान), फैबियन एलेन, एनक्रुमाह बोनर, डेरेन ब्रावो, शामार ब्रुक्स, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील हुसैन, अलजारी जोसफ, ब्रैंडन किंग, निकोलस पूरन, केमार रोच, रोमारियो शेपर्ड, ओडियन स्मिथ, हेडन वाल्श जूनियर।

पाकिस्तान दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

सिडनी (ईएमएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 24 साल बाद होने वाले पाकिस्तान दौरे के लिए अपनी टेस्ट टीम घोषित कर दी है। इससे पहले अंतिम बार साल 1998 में ऑस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान दौरे पर गयी थी। एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों को इस दौरे के लिए टीम में जगह मिली है। बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और स्कॉट बोलैंड ने एशेज सीरीज में अच्छा पदर्शन किया था। अब उन्हें पाकिस्तान दौरे पर भी इस प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। इस दौरे के लिए तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भी फिट हो गये हैं।

इस दौरे पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को मेजबान पाक टीम के साथ 3 टेस्ट, 3 वनडे और एक टी20 मैच खेलने हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम 4 मार्च को रावलपिंडी में पहले टेस्ट मैच के साथ ही अपने इस दौरे की शुरुआत करेगी। वहीं सीरीज का दूसरा मैच कराची में खेला जाएगा। वहीं तीसरा और आखिरी टेस्ट मैच लाहौर में खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज के बाद एकदिवसीय सीरीज भी खेली जाएगी। यह रावलपिंडी में होगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम का यह दौरा 5 अप्रैल तक चलेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस दौरे में एकदिवसीय सीरीज के साथ ही एक टी20 मैच भी खेलेगी हालांकि उसके लिए टीम की घोषणा अभी नहीं हुई है।

पाकिस्तान दौरे पर ऑस्ट्रेलियाई टीम का कार्यक्रम

27 फरवरी – इस्लामाबाद में आगमन
4-8 मार्च – पहला टेस्ट, रावलपिंडी
12-16 मार्च – दूसरा टेस्ट, कराची
21-25 मार्च – तीसरा टेस्ट, लाहौर
29 मार्च – पहला वनडे, रावलपिंडी
31 मार्च – दूसरा वनडे, रावलपिंडी
2 अप्रैल – तीसरा वनडे, रावलपिंडी
5 अप्रैल – टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ।

छोटे प्रारुप पर ध्यान देने रणजी ट्रॉफी नहीं खेलेंगे हार्दिक

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑलराउंडर हार्दिक पांडया 10 फरवरी से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी सत्र में नहीं खेलेंगे। पांडया ने सीमित ओवरों की टीम में वापसी पर ध्यान देने के लिए ही रणजी सत्र से बाहर रहने का फैसला किया है। पांडया के नहीं खेलने के कारण केदार देवधर को बड़ौदा टीम की कप्तानी करेंगे वहीं विष्णु सोलंकी को उप-कप्तान की जिम्मेदारी दी गयी है।

बड़ौदा क्रिकेट संघ ने टूर्नामेंट के पहले चरण के लिए जिस 20 सदस्यीय टीम की घोषणा की है उसमें पांडया शामिल नहीं है। वह सर्जरी के बाद फिटनेस हासिल करने के लिए 'रिहैबिलिटेशन' प्रक्रिया को देखते हुए पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर है। पिछले साल टी20 विश्व कप में वह गेंदबाजी नहीं कर पाये थे , इसी कारण उन्हें अब टीम में जगह नहीं मिल रही है। उन्होंने दिसंबर 2018 के बाद से ही टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है हालांकि वह आईपीएल के जरिये प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर अपनी पफिटनेस साबित करना चाहेंगे। आईपीएल में वह नई आईपीएल टीम अहमदाबाद टीम के कप्तान बनाये गये हैं।

लिवाली से शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फाइनेंस और टाइटन जैसी कंपनियों के शेयरों में हुई (लिवाली) खरीददारी से बाजार में यह तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 187.39 अंक करीब 0.33 फीसदी बढ़कर 57,808.58 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 53.15 अंक तकरीबन 0.31 फीसदी लाभ के साथ ही 17,266.75 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील का शेयर सबसे ज्यादा 3.10 फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स और टाइटन के शेयर भी बढ़े हैं। वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड, टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी लि. और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे हैं। इनमें करीब 1.66 फीसदी तक की गिरावट रही। सेंसेक्स के 19 शेयर लाभ में रहे। वहीं 11 को नुकसान हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने सोमवार को 1,157.23 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

इससे पहले आज सुबह बाजार उछाल के साथ खुला।

दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार की शुरुआत के साथ ही खरीददारी शुरु हो गयी। इस दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी पर मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और हीरो मोटोकॉर्प प्रमुख लाभ में दिखे, जबकि डिविस लैब्स, एचडीएफसी, नेस्ले इंडिया, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के शेयर नीचे आये। सेंसेक्स ने 255 अंक की बढ़त के साथ ही 57,870 के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की, जबकि निफ्टी सूचकांक 75 अंक की बढ़त के साथ 17,290 के स्तर पर खुला।

सोने में तेजी, चांदी गिरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोने और चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। सोने की कीमतें 144 रुपये बढ़कर 48,167 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गयी हैं। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 48,023 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था जबकि चांदी 76 रुपये की गिरावट के साथ ही 61,607 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। पिछले कारोबारी दिन में चांदी का बंद भाव 61,683 रुपये प्रति किलोग्राम था। वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हल्की गिरावट के साथ ही 1,819 डॉलर प्रति औंस और चांदी 22.85 डॉलर प्रति औंस पर थी।

तालिबान की सत्ता के दौरान आतंकवादी संगठनों को अधिक स्वतंत्रता मिली हुई

जिनेवा (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने रिपोर्ट में कहा कि अफगानिस्तान में हाल में सत्ता में आए तालिबान के अल कायदा के साथ पूर्व संबंधों के कारण अफगानिस्तान चरमपंथियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन रहा है और ''आतंकवादी संगठनों के हालिया इतिहास में उन्हें वहां पहले से अधिक स्वतंत्रता मिली हुई है।संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा कि अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट समूह दोनों से जुड़े चरमपंथी अफ्रीका,खासकर अशांत साहेल में सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस्लामिक स्टेट इराक और सीरिया में ''एक ग्रामीण विद्रोह'' के रूप में सक्रिय है।

विशेषज्ञों ने कहा कि इंडोनेशिया और फिलीपीन दोनों ने इस्लामिक स्टेट और अल-कायदा से जुड़े आतंकवाद से निपटने में एक महत्वपूर्ण बढ़त की जानकारी भी दी है। अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट के खिलाफ लगे प्रतिबंधों की निगरानी करने वाली विशेषज्ञों की समिति ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सौंपी रिपोर्ट में कहा कि अमेरिका और नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सैनिकों की 20 वर्ष बाद अफगानिस्तान से अराजकता भरी वापसी के बाद 15 अगस्त को तालिबान सत्ता में आया और तब से 2021 के अंतिम छह महीनों में कई घटनाएं हुई हैं।

विशेषज्ञों ने कहा,हाल में ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है, कि तालिबान ने देश में विदेशी आतंकवादियों की गतिविधियों को सीमित करने के लिए कदम उठाए हैं,बल्कि इसके विपरित आतंकवादी संगठन अपार स्वतंत्रता का आनंद ले रहे हैं।बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने ''अफगानिस्तान में विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी की कोई जानकारी नहीं दी है।'' विशेषज्ञों ने उल्लेख किया कि अल-कायदा ने 31 अगस्त को तालिबान को उसकी जीत पर बधाई देकर बयान जारी किया था,लेकिन तब से उसने ''एक रणनीतिक चुप्पी बनाए रखी है। संभवतः यह अंतरराष्ट्रीय मान्यता एवं वैधता हासिल करने के लिए तालिबान के प्रयासों को नुकसान नहीं पहुंचाने का प्रयास है।

कर्मचारियों से दुर्व्यवहार के सबूत मिलने के बाद बाइडेन के विज्ञान सलाहकार ने दिया इस्तीफा

वॉशिंगटन (ईएमएस)। कर्मचारियों से दुर्व्यवहार के सबूत मिलने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के विज्ञान सलाहकार एरिक लैंडर को इस्तीफा देना पड़ा। उन्होंने व्हाइट हाउस द्वारा इस बात की पुष्टि करने के कुछ घंटों बाद यह कदम उठाया है कि आंतरिक जांच में लैंडर के अपने कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करने के भरोसेमंद सबूत मिले हैं। लैंडर का इस्तीफा बाइडेन प्रशासन में कैबिनेट स्तर पर पहला इस्तीफा है। कार्यस्थल संबंधित एक शिकायत के बाद आंतरिक जांच में इस बात के सबूत मिले थे कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति कार्यालय के निदेशक एवं बाइडेन के विज्ञान सलाहकार लैंडर ने न सिर्फ अपने कर्मचारियों को धमकाया, बल्कि उनके साथ अपमानजनक व्यवहार भी किया।

व्हाइट हाउस ने अपने कर्मचारियों से दुर्व्यवहार के लिए लैंडर को कड़ी फटकार लगाई थी। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोमवार सुबह संकेत दिया था कि लैंडर को उनके पद पर बने रहने दिया जाएगा। यह संकेत शपथ ग्रहण समारोह में बाइडेन के वादे के बावजूद दिया गया था कि वह अपने प्रशासन से जुड़े हर व्यक्ति से 'ईमानदारी और शालीनता' की उम्मीद करते हैं तथा उन लोगों को तत्काल बर्खास्त कर देंगे, जो दूसरों के प्रति अनादर दिखाते हैं। बाद में, सोमवार शाम को व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन पसाकी ने कहा कि बाइडेन ने 'महामारी, कैंसर मूनशॉट, जलवायु परिवर्तन और अन्य प्रमुख मुद्दों पर ओटीएसपी में किए गए काम के लिए लैंडर का आभार जताते हुए' उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

लैंडर ने अपने त्यागपत्र में कहा, 'मैं बहुद दुखी हूं कि अतीत और वर्तमान के मेरे सहयोगी मेरे बात करने के तरीके से आहत हुए हैं। मेरा मानना है कि मैं अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से जारी रखने में संक्षम नहीं हूं और इस कार्यालय के काम बेहद अहम हैं, लिहाजा उसमें कोई बाधा नहीं उत्पन्न होनी चाहिए।' व्हाइट हाउट ने स्पष्ट किया कि बाइडेन ने लैंडर से इस्तीफा देने की मांग नहीं की थी।

सेबी सारदा रियल्टी की सात संपत्तियों की 22 फरवरी को नीलामी करेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)।पूंजी बाजार नियामक सेबी सारदा रियल्टी इंडिया लि. और उसके प्रवर्तकों तथा निदेशकों की सात संपत्तियों की 22 फरवरी को नीलामी करेगा। कंपनी द्वारा गलत तरीके से लोगों से जुटाई राशि की वसूली को लेकर यह नीलामी की जा रही है। नीलामी को लेकर आरक्षित मूल्य 59 लाख रुपये से अधिक रखा गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सार्वजनिक नोटिस में कहा कि नीलामी में रखी जाने वाली संपत्तियों में बंगाल में जमीन भी शामिल है। सेबी ने सारदा रियल्टी और उसके प्रवर्तकों/निदेशकों से गलत तरीके से जुटाई गई राशि की वसूली कार्यवाही के तहत बोलियां आमंत्रित की है। ई-नीलामी 22 फरवरी, 2022 को होगी। इन संपत्तियों के लिये आरक्षित मूल्य 59.4 लाख रुपये रखा गया है। नियामक ने संपत्ति की नीलामी में सहायता को लेकर क्विकर रियल्टी की सेवा ली है।

सेबी ने कहा कि बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले नीलामी में रखी गई संपत्तियों पर कानूनी विवाद, देनदारी सहित सभी चीजों के बारे में स्वतंत्र जांच कर लेनी चाहिए। इसके पहले नियामक ने अप्रैल, 2013 में अपने आदेश के द्वारा सारदा रियल्टी, उसके प्रवर्तकों और निदेशकों से सामूहिक निवेश वाली सभी योजनाओं (सीआईएस) को बंद करने और निवेशकों से ली गयी राशि तीन महीने में वापस करने को कहा था। कंपनी ने कोष जुटाने को लेकर लोगों से सीआईएस के माध्यम से निवेश अनुबंधों के जरिये राशि जुटायी थी और उसने इसके लिये सेबी से कोई मंजूरी नहीं ली थी।

दो दशकों से मास्को नहीं गया कोई पाक पीएम, इस माह के अंत तक रूस जा सकते हैं इमरान

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के इस माह के अंत में रूस की यात्रा पर जाने वाले हैं, जो दो दशकों में किसी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की पहली मॉस्को यात्रा होगी। राजनयिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इमरान खान के 23 से 26 फरवरी के बीच रूस जाने की उम्मीद है। उनकी रूस की यात्रा चीन से लौटने के बाद होनी है। पाक पीएम बीजिंग ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में भाग लिया और राष्ट्रपति शी जिनपिंग सहित शीर्ष चीनी नेतृत्व के साथ बातचीत की। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी इस समारोह में शामिल हुए थे। चीन के शिनजियांग प्रांत में बीजिंग की कथित मानवाधिकार नीतियों को लेकर अमेरिका, यूरोपीय संघ और कई पश्चिमी देशों द्वारा इस कार्यक्रम का राजनयिक बहिष्कार किया गया। सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने इमरान खान की रूस की यात्रा संबंधी खबर की पुष्टि करने से परहेज करते हुए कहा कि इसके लिए विदेश मंत्रालय से संपर्क किया जाना चाहिए।

खान की रूस यात्रा को पश्चिम के लिए एक स्पष्ट संकेत माना जा रहा है, खासकर तब जब उन्होंने अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी के बाद पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने देने के मुद्दे पर अमेरिका को स्पष्ट रूप से मना कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जनवरी 2021 में पदभार ग्रहण करने के बाद से अब तक इमरान खान को फोन तक नहीं किया। इस बीच, राजनयिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि तारीखों को अंतिम रूप दे दिया गया है और अगर आखिरी मिनट में कोई बदलाव नहीं होता, तो इमरान खान तथा राष्ट्रपति पुतिन फरवरी के आखिरी सप्ताह में मिलेंगे।

आईएसआईएस-के सरगना गफ्फारी पर अमेरिका ने घोषित किया एक करोड़ डॉलर का इनाम

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका ने आईएसआईएस-खोरासान (आईएसआईएस-के) के सरगना सनाउल्ला गफ्फारी और काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर बीते साल हुए आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों से जुड़ी सूचना देने पर एक करोड़ डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है। अमेरिका के रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस (आरएफजे) विभाग ने इस आशय की अधिसूचनाएं जारी की है। अधिसूचना के मुताबिक रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस ने आईएसआईएस-के सरगना शहाब अल-मुहाजिर उर्फ सनाउल्लाह गफ्फारी की जानकारी देने के लिए एक करोड़ अमेरिकी डॉलर के इनाम की पेशकश की है।

अमेरिकी सरकार ने 26 अगस्त 2021 को अफगानिस्तान के काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर हुए आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों की जानकारी देने' के लिए भी इनाम घोषित किया है। आरएफजे के अनुसार 1994 में अफगानिस्तान में जन्मा गफ्फारी आतंकी संगठन आईएसआईएस-के का मौजूदा नेता है। विभाग ने बताया कि वह पूरे अफगानिस्तान में आईएसआईएस-के के सभी अभियानों को मंजूरी देने और उन पर अमल के लिए फंडिंग की व्यवस्था करने के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी द्वारा प्रतिबंधित एक विदेशी आतंकी संगठन आईएसआईएस-के ने काबुल हवाईअड्डे पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी।

इस हमले में कम से कम 185 लोग मारे गए थे, जिनमें 13 अमेरिकी सैनिक शामिल थे, जो नागरिकों की निकासी के अभियान में सहयोग दे रहे थे। आईएसआईएस-के के केंद्रीय नेतृत्व ने जून 2020 में गफ्फारी को संगठन का नेता नियुक्त किया था। अधिसूचना में कहा गया है आईएसआईएस ने गफ्फारी की नियुक्ति से जुड़ी घोषणा में उसे एक अनुभवी सैन्य नेता और काबुल में आईएसआईएस-के के शहरी शेरों में से एक के रूप में बताया था, जो गुरिल्ला अभियानों के अलावा कई जटिल आत्मघाती हमलों की साजिश में शामिल रहा है।

आरएफजे ने एक ट्वीट करके भी कहा एक करोड़ डॉलर तक का इनाम, सनाउल्ला गफ्फारी आतंकी संगठन आईएसआईएस-के का वर्तमान नेता है। आरएफजे को सिग्नल, टेलीग्राम, व्हाट्सएप या हमारी टॉर-आधारित टिप्स लाइन के माध्यम से सूचना दें। इस आतंकी को इंसाफ के दायरे में लाने में मदद करें।

आरएफजे ने कहा एक आत्मघाती हमलावर और कुछ बंदूकधारियों ने काबुल हवाईअड्डे पर हमला किया, क्योंकि अमेरिका और अन्य देशों की सरकारों ने अपने नागरिकों और कमजोर अफगानों को मुल्क से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चला रखा था।

अब केएफसी ने भी किया कश्मीर पर पोस्ट, बॉयकाट ट्रेंड हुआ तो मांगी माफी

नई दिल्ली (ईएमएस)। मशहूर वाहन निर्माता कंपनी हुंडई के बाद फूड चेन केएफसी की पाकिस्तान फ्रैंचाइजी ने भी वही गलती दोहरा दी, जिससे करोड़ों भारतीयों की भावनाएं आहत हुई। पांच फरवरी को हुंडई के पाकिस्तान वाले ट्विटर हैंडल से कश्मीर के बारे में डाली गई पोस्ट को देखने के बाद सोशल मीडिया पर कंपनी को खूब खरी-खोटी सुनाई जाने लगी। 5 फरवरी को ही केएफसी और पिज्जा हट ने भी ऐसी गुस्ताखी की तो भारतीयों का गुस्सा भड़क उठा, इस पर केएफसी ने माफी मांग ली है। केएफसी के पाकिस्तान ट्विटर हैंडल से भी कश्मीर को लेकर एक ऐसा ट्वीट हुआ। इसे लेकर भारत के लोगों ने सख्त नाराजगी है। इस पर बहुत से यूजर्स हैशटैग बॉयकाटकेएफसी के साथ अपनी नाराजगी भी जता रहे हैं। केएफसी इंडिया को ट्विटर के जरिए माफी मांगनी पड़ी है। इससे पहले एक सोशल मीडिया पोस्ट में केएफसी के एक वेरिफाइड अकाउंट से कश्मीर में अलगाववादियों का समर्थन किया गया था और पोस्ट किया था ठकश्मीर कश्मीरियों का है।ठ इसी तरह 'पिज्जाहटपैक' के वेरिफाइड अकाउंट से एक इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा गया था, ''हम आपके साथ खड़े हैं। कश्मीर एकजुटता दिवस।''

बता दें पाकिस्तान में पांच फरवरी को मनाए जाने वाले कश्मीर एकजुटता दिवस में कुछ वैश्विक कंपनियों के कूदने से विवाद पैदा हो गया है। दक्षिण कोरिया की कार कंपनी हुंडई के बाद फूड चेन केएफसी की पाकिस्तान फ्रैंचाइजी ने भी कश्मीर की अलग पहचान को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इसे लेकर भारत के लोगों ने सख्त नाराजगी है। सोशल मीडिया पर इसे लेकर केएफसी के बायकॉट तक की आवाजें उठने लगी हैं। इसके बाद भारत स्थित केएफसी के सोशल मीडिया हैंडलों से माफी मांगी गई। वहीं, पिज्जा हट ने भी पाकिस्तान में अपने आधिकारिक हैंडल द्वारा कश्मीर पर एक इंस्टाग्राम पोस्ट पर यूजर्स के गुस्से का सामना करने के बाद एक बयान जारी कर कहा, ठयह सोशल मीडिया में प्रसारित पोस्ट की सामग्री की निंदा, समर्थन या सहमति नहीं करता हैठ।

प्लास्टिक बैग के इस्तेमाल पर जुलाई से शुल्क वसूलेगा दुबई प्रशासन

दुबई (ईएमएस)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) देश में बढ़ते प्रदूषण से परेशान है। इसी वजह से दुबई प्रशासन ने प्लास्टिक बैग के इस्तेमाल पर शुल्क वसूलने का निर्णय लिया है। दरअसल, प्लास्टिक बैग के कारण दुबई की खूबसूरती बिगड़ रही है। इन्हें जल्द से जल्द खत्म करने के लिए भी अभी पूरी तरह से स्वीकार्य कोई तकनीक नहीं आई है। ऐसे में प्लास्टिक के इस्तेमाल को हतोत्साहित करने के लिए शुल्क लगाने का फैसला किया गया है।

दुबई प्रशासन की मंशा दो साल के अंदर प्लास्टिक बैग के इस्तेमाल को गैरकानूनी घोषित करने की है। सरकारी दुबई मीडिया ऑफिस से जारी एक बयान में कहा गया कि 25 फिल शुल्क (छह सेंट) एक जुलाई से लगाया जाएगा। सरकार ने कहा सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए अब वैश्विक स्तर पर अनिवार्य हो गया है कि प्लास्टिक का इस्तेमाल कम किया जाए। इसके तहत समाज के व्यवहार को इस तरह से बदलना है कि पर्यावरण प्रदूषण में लोगों के योगदान को घटाया जा सके। सरकार ने कहा ऊंट और कछुए प्लास्टिक से मर रहे थे, इसलिए भी प्रतिबंध आवश्यक था। गगनचुंबी इमारतों वाले शहर में कुछ किराना स्टोर पहले से ही लोगों को खरीदारी के समय दोबारा इस्तेमाल करने योग्य बैग लाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

चीन बोला- श्रीलंका की संप्रभुता की रक्षा में उसका दृढ़ता से समर्थन किया

बीजिंग (ईएमएस)। चीन ने जोर देकर कहा कि उसने श्रीलंका का उसकी राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा में पूरी दृढ़ता से समर्थन किया है और दोनों देशों द्वारा राजनयिक संबंधों की स्थापना की 65वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'बेल्ट एंड रोड' परियोजनाओं को अद्यतन (अपग्रेड) करने की पेशकश की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने यहां प्रेस वार्ता में कहा, 'आज चीन और श्रीलंका के राजनयिक संबंधों की 65वीं वर्षगांठ है। पिछले 65 वर्षों में, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को समर्थन दिया है, विभिन्न देशों के बीच मैत्रीपूर्ण सह-अस्तित्व और पारस्परिक रूप से सार्थक सहयोग का एक उदाहरण स्थापित किया है।' दोनों देशों को अच्छा दोस्त और भाई बताते हुए उन्होंने कहा, 'श्रीलंका अंतरराष्ट्रीय मामलों पर चीन के न्यायसंगत रुख का मजबूती से समर्थन करता रहा है।'

उन्होंने कहा, 'चीन की ओर से, हम राष्ट्रीय संप्रभुता और स्वतंत्रता की रक्षा में श्रीलंका का दृढ़ता से समर्थन कर रहे हैं।' 'बेल्ट एंड रोड' पहल चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग द्वारा 2013 में सत्ता में आने पर शुरू की गई कई अरब डॉलर की एक पहल है। इसका उद्देश्य दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य एशिया, खाड़ी क्षेत्र, अफ्रीका और यूरोप को भूमि और समुद्री मार्गों के नेटवर्क से जोड़ना है। झाओ ने कहा, 'चीन श्रीलंका के साथ काम करने के लिए तैयार है ताकि इस वर्षगांठ को रबर-चावल समझौते की भावना को आगे बढ़ाने के अवसर के रूप में लिया जा सके।'' वर्ष 1952 में हस्ताक्षरित, रबर-चावल समझौता श्रीलंका और चीन के बीच एक व्यापार समझौता है जिसके तहत कोलंबो ने चावल के बदले बीजिंग को रबर की आपूर्ति की, जिससे दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित हुए और व्यापार का विस्तार हुआ।

जासूसी के दावों की जांच के लिए इजराइल जांच आयोग गठित करेगा

यरुशलम (ईएमएस)। इजराइल सरकार ने घोषणा की है कि एक समाचार पत्र द्वारा किए गए इस दावे की जांच के लिए वह एक आयोग का गठन करेगी कि पुलिस बल ने शीर्ष सरकारी अधिकारियों, व्यापारिक दिग्गजों, पत्रकारों और पूर्व प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सहयोगियों के कथित तौर पर फोन हैक करने के लिए अत्याधुनिक स्पाईवेयर का इस्तेमाल किया।

सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रीओमर बारलेव ने कहा वह इस दावे की जांच के लिए एक आयोग की स्थापना करेंगे। वहीं, मुद्दे पर इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने कहा यदि रिपोर्ट सही है, तो यह बहुत गंभीर मामला है। यह फैसला कुछ हफ्ते पहले एक अखबार द्वारा किए गए इस दावे के बाद आया है कि पुलिस ने अनेक लोगों के फोन हैक करने के लिए एनएसओ समूह के पेगासस स्पाईवेयर का इस्तेमाल किया था। खबर में दावा किया गया है कि जासूसी के शिकार हुए लोगों में शीर्ष सरकारी अधिकारी, व्यापारिक दिग्गज, पत्रकार और पूर्व प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सहयोगी शामिल हैं।

नए आयकर पोर्टल पर करीब 6.17 करोड़ आईटीआर भरे गएः सीबीडी

नई दिल्ली (ईएमएस)। आयकर विभाग ने कहा है कि नए आईटी ई-फाइलिंग पोर्टल की शुरुआत से अबतक 8 माह में इसके जरिए करीब 6.17 करोड़ आयकर रिटर्न और लगभग 19 लाख कर ऑडिट रिपोर्ट दाखिल की गई है। कुल 6.17 करोड़ आयकर रिटर्न आकलन वर्ष 2021-22 (वित्त वर्ष 2020-21) के लिये भरे गए। इनमें से 48 प्रतिशत आईटीआर-1 (2.97 करोड़), नौ प्रतिशत आईटीआर-2 (56 लाख), 13 प्रतिशत आईटीआर-3 (81.6 लाख), आईटीआर-4 (1.65 करोड़), आईटीआर-5 (10.9 लाख), आईटीआर-6 (4.84 लाख) और आईटीआर-7 (1.32 लाख) शामिल थे।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने अपने एक बयान में कहा कि नए ई-फाइलिंग पोर्टल पर छह फरवरी, 2022 तक करीब 6.17 करोड़ आयकर रिटर्न और लगभग 19 लाख बड़ी कर ऑडिट रिपोर्ट दाखिल की गई है। बयान के अनुसार विभाग ई-मेल, एसएमएस और ट्विटर के माध्यम से करदाताओं को अनुस्मरण पत्र जारी कर रहा है और करदाताओं तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट को अंतिम समय तक इंतजार नहीं करने और बिना किसी देरी के अपने टीएआर/आईटीआर दाखिल करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

सरकार ने जनवरी में कंपनियों के लिए मार्च, 2021 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए आयकर रिर्टन भरने की समयसीमा बढ़ाकर 15 मार्च कर दी है, जबकि 2020-21 के लिए कर ऑडिट रिपोर्ट और 'ट्रांसफर प्राइसिंग' ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की तिथि 15 फरवरी है। आईटीआर फॉर्म एक (सहज) और आईटीआर फॉर्म 4 (सुगम) सरल रूप हैं। यह बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम करदाताओं की जरूरतों को पूरा करते हैं।

सहज फॉर्म 50 लाख रुपए तक की आय वाले वे व्यक्ति भर सकते हैं जो वेतन, एक मकान/अन्य स्त्रोतों (ब्याज आदि) से आय प्राप्त करते हैं। जबकि आईटीआर-4 वे व्यक्ति, हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) और कंपनियां भर सकती हैं, जिनकी आय कारोबार और पेशे से 50 लाख रुपए तक है। आईटीआर-तीन वे व्यक्ति भर सकते हैं, जिन्हें कंपनियों/पेशे से लाभ के रूप में आय प्राप्त होती है। जबकि आईटीआर-5 आईटीआर-6 और आईटीआर-7 क्रमशः सीमित दायित्व भागीदारी (एलएलपी), कंपनियां और न्यास भरते हैं। नया आयकर पोर्टल सात जून को शुरू किया गया था।

न्यूयॉर्क में गांधी की प्रतिमा को विरूपित करने की भारतीय-अमेरिकियों ने की निंदा

वाशिंगटन (ईएमएस)। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेताओं ने न्यूयॉर्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा को विरूपित किए जाने की सोमवार को निंदा की और कहा कि यह गांधी और मार्टिन लूथर किंग का अपमान है। न्यूयॉर्क के यूनियन स्क्वैयर में स्थित महात्मा गांधी की कांसे की आदमकद प्रतिमा को शनिवार को विरूपित कर दिया गया था। भारत के महावाणिज्य दूतावास ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे घृणित करार दिया था।

न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने बताया था कि मैनहट्टन के समीप यूनियन स्क्वैयर में लगी महात्मा गांधी की आठ फुट की प्रतिमा को कुछ अज्ञात लोगों ने विरूपित कर दिया। वैदिक फ्रेंड्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बालभद्र भट्टाचार्य दास (बोनी टिलमैन) ने कहा हिंदू धर्म मानने वाले एक अफ्रीकी अमेरिकी के तौर पर, मुझे इस बात का बेहद दुःख है कि किसी ने उस महात्मा गांधी का अनादर किया, जिन्होंने एमएलके (मार्टिन लूथर किंग) को अहिंसा का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिन्होंने समाज में बड़े बदलावों को प्रेरित किया, जिनका आज भी हमारे जीवन पर सकारात्मक प्रभाव है। 'हिंदूपैक्ट' के कार्यकारी निदेशक उत्सव चक्रवर्ती ने कहा कि अमेरिका में गांधी की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने की यह पहली घटना नहीं है। चक्रवर्ती ने दावा किया पिछले कई वर्ष में, दक्षिण एशियाई समुदायों के कट्टरपंथी इस्लामवादियों और उनसे संबद्ध समूहों ने कई बार महात्मा गांधी की कई प्रतिमाएं क्षतिग्रस्त की हैं।

'अमेरिकन हिंदू अगेंस्ट डिफेमेशन' (एएचएडी) के संयोजक अजय शाह ने एक बयान में कहा कि गांधी और उनके द्वारा चलाए गए स्वतंत्रता आंदोलन ने किंग और अमेरिकी नागरिक अधिकार आंदोलन को प्रेरित किया। शाह ने कहा अटलांटा में एमएलके मेमोरियल में महात्मा गांधी को समर्पित एक क्षेत्र है। यह कोई संयोग की बात नहीं है कि 'ब्लैक हिस्ट्री मंथ' के दौरान गांधी की प्रतिमा को विरूपित किया गया है। इस कृत्य के अपराधी और उनके प्रायोजक यह संदेश दे रहे हैं कि उन्होंने शांति, मानवाधिकार, स्वतंत्रता और सभी के समान अधिकार को स्वीकार नहीं किया है।

भारत के बाहर अमेरिका में ही महात्मा गांधी की सबसे अधिक प्रतिमाएं हैं। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा था तत्काल जांच के लिए अमेरिका के विदेश मंत्रालय के समक्ष इस मामले को उठाया गया है और उनसे इस घृणित कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले पिछले साल जनवरी में कैलिफोर्निया में और दिसंबर 2020 में वाशिंगटन डीसी में भी गांधी की प्रतिमाएं क्षतिग्रस्त की गई थीं।

अमेरिकी सांसद ने भारतीय मूल के हिमांशु पटेल को क्रिप्टो मामलों का सलाहकार नियुक्त किया

वाशिंगटन (ईएमएस)। प्रभावशाली अमेरिकी सांसद पीट सेशंस ने भारतीय-अमेरिकी हिमांशु बी. पटेल को अपने क्रिप्टो तकनीकी कार्य समूह के लिए अपना प्रमुख आर्थिक विकास एवं ऊर्जा ढांचागत विकास सलाहकार नियुक्त किया है। सेशंस ने बताया कि यह बेहद महत्वपूर्ण है कि अमेरिका और भारत, वित्तीय डिजिटल प्रौद्योगिकी तथा ऊर्जा ढांचागत विकास के क्षेत्रों में नवोन्मेष के मोर्चे पर मानक तय करने के लिए वैश्विक स्तर पर नेतृत्व करें।

उन्होंने कहा कि मैं हिमांशु पटेल के साथ निकटता से काम करने को लेकर उत्साहित हूं। उनकी सलाह मेरे और मेरी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि हम वैश्विक व्यापार समुदाय के अन्य नीति निर्माताओं को और बेहतर तरीके से शिक्षित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि जानकार विशेषज्ञों और विश्व स्तरीय नेताओं के बीच बढ़े हुए सहयोग से आपस में लाभकारी प्रयासों को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाया जाएगा। पटेल ने कहा सेशंस की टीम और क्रिप्टो तकनीकी कार्य समूह में उनकी नियुक्ति डिजिटल मुद्रा और क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सहयोगात्मक चर्चा का मार्ग प्रशस्त करेगी। पटेल 'ट्राइटन इलेक्ट्रिक व्हीकल्स' के संस्थापक और प्रबंध निदेशक हैं।

चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आने वाला है बड़ा उछाल!

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों को लेकर हैरान जनता को चुनाव बाद एक और झटका लगने वाला है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल (क्रूड) कीमत में भारी उछाल के बावजूद देश में करीब तीन महीने से पेट्रोल (पेट्रोल) और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं आया है। लेकिन यह स्थिति ज्यादा दिनों तक रहने वाली नहीं है। उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों-2022 के बाद देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में भारी उछाल आ सकता है। सोमवार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत 94 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। जब कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन ने दस्तक दी थी तो कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई थी। एक दिसंबर को इसकी कीमत 69 डॉलर पर आ गई थी जो चार नवंबर को 81 डॉलर थी। लेकिन ओमिक्रोन का खतरा कम होते ही इसमें फिर तेजी आई है। यूक्रेन और रूस के बीच जारी तनाव भी इसका प्रमुख कारण है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में चार नवबंर के बाद 12 डॉलर प्रति बैरल यानी 15 फीसदी की तेजी आई है जबकि इस दौरान देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इकनॉमिस्ट सुनील कुमार सिन्हा ने कहा कि घरेलू तेल कंपनियों का यह व्यवहार पॉलिटिक्स पर आधारित है, इकनॉमिक्स पर नहीं। अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतें इस स्तर पर बनी रहती हैं तो हमें चुनाव के बाद बड़ा झटका झेलने के लिए तैयार रहना चाहिए।

सिन्हा ने कहा कि चुनावों के बाद घरेलू तेल कंपनियों पेट्रोल-डीजल की कीमत में भारी बढ़ोतरी कर सकती हैं ताकि अभी हो रहे नुकसान की भरपाई की जा सके। इसका महंगाई पर व्यापक असर होगा। कंज्यूमर्स के लिए कीमतों में एक साथ भारी बढ़ोतरी के बजाय रोज-रोज होने वाले मामूली बदलाव को झेलना आसान है। एक साथ कीमतों में भारी तेजी से ट्रांसपोर्ट कॉस्ट बढ़ जाती है और इससे बाकी चीजें भी महंगी हो जाती है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के चेयरमैन एमके सुराना ने पिछले हफ्ते कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कीमतों के मुताबिक होंगी लेकिन कीमतों में रोज होने वाले बदलाव से उपभोक्ताओं को असुविधा होगा। इसकी वजह यह है कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उतारचढ़ाव हो रहा है। अभी घरेलू कंपनियां इसे उपभोक्ताओं पर नहीं डाल रही है जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। एक रेटिंग एजेंसी के चीफ इकनॉमिस्ट डीके जोशी ने कहा कि सरकार डयूटी में कटौती के साथ कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है। सरकार ने नवंबर में डयूटी में कटौती की थी। लेकिन तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई बेकाबू हो सकती है। इससे ब्याज दरें और इकनॉमिक रिकवरी प्रभावित हो सकती है। जोशी ने कहा कि आरबीआई को मॉनिटरी पॉलिसी के जरिए इस पर कदम उठाने होंगे क्योंकि उनके पास महंगाई का एक टारगेट है। कुछ देशों में सेंट्रल बैंक्स तेल के कारण बढ़ी महंगाई को काबू में करने के लिए उपाय करने शुरू कर दिए हैं। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इससे निपटने के लिए पॉलिसी रेट में बढ़ोतरी के बजाय डयूटी में कटौती बेहतर उपाय है।

कनाडा ने अमेरिका से कहा, ओटावा में कोरोना प्रतिबंधों के विरुद्ध हो रहे विरोध को बढ़ावा न दे

ओटावा (ईएमएस)। कनाडा की राजधानी में इन दिनों ट्रक चालकों द्वारा कोरोना पाबंदियों को लेकर जबरदस्त प्रदर्शन हो रहे है ऐसे में अमेरिका उसका समर्थन कर रहा है। कनाडा सरकार ने अमेरिका से ओटावा में कोविड-19 संबंधी पाबंदियों के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों को बढ़ावा नहीं देने की अपील की है। कनाडा के जन सुरक्षा मंत्री ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी अधिकारियों को उनके घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए। दरअसल, अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के कई शीर्ष नेता कोविड-19 संबंधी पाबंदियों के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों का समर्थन कर रहे हैं। ओटावा में एक दिन पहले ही आपातकाल लागू किया गया था। ओटावा के मेयर ने लगभग 2,000 अतिरिक्त पुलिस अधिकारियों को तैनात किए जाने की मांग की है ताकि तथाकथित 'आजाद ट्रक काफिला' निकाल कर किए जा रहे प्रदर्शनों को रोकने में मदद मिल सके।

प्रदर्शनों के कारण शहर पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है और इससे आर्थिक गतिविधियां भी बुरी तरह से प्रभावित हो रही हैं। ओटावा के पुलिस प्रमुख पीटर स्लोली ने इसे 'कनाडा में कभी नहीं देखा गया अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शन' करार देते हुए स्वीकार किया है कि अधिकारी इसे रोकने की योजना बनाने में विफल रहे हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं ने इन विरोध प्रदर्शनों का समर्थन किया है। ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को ठघोर वामपंथीठ करार देते हुए कहा कि ट्रूडो कोविड-19 संबंधी मूर्खतापूर्ण प्रतिबंध लगाकर कनाडा को बर्बाद कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वह तब तक वहां से नहीं हटेंगे जब तक कि टीकाकरण से संबंधित सभी नियमों और कोविड-19 संबंधी पाबंदियों को पूरी तरह से समाप्त नहीं किया जाता।

चीन और अमेरिका झगड़े में फंसा नेपाल, एमसीसी समझौता लागू करने में बाइडेन ने तय की समयसीमा

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाल अमेरिका बनाम चीन की लड़ाई में फंस गया है। बाइडेन प्रशासन ने मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन पर फैसला करने के लिए अंतिम समयसीमा तय कर दी है। अमेरिका ने कहा अगर नेपाल इस समझौते को मंजूरी देने में नाकाम रहता है, तो हम इसे वापस ले लेंगे। एमसीसी समझौता के रद्द होने से पहले से ही आर्थिक संकट से जूझ रहा नेपाल मुश्किल में फंस सकता है।

दूसरी तरफ उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी सहायता से भी हाथ धोना पड़ सकता है। माना जा रहा है कि चीन के दबाव में नेपाल ने पिछले पांच साल से एमसीसी समझौते को आखिरी मंजूरी नहीं दी है। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा गठबंधन सहयोगियों के नेताओं के बीच मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन पर आम राय बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन, उन्हें अब तक को कोई खास सफलता नहीं मिल सकी है।

2017 में नेपाल और अमेरिका के बीच एमसीसी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, लेकिन उसके बाद इस समझौते को नेपाली संसद से आज तक मंजूरी नहीं मिल सकी है। प्रावधान के अनुसार, एमसीसी के कार्यान्वयन के लिए नेपाली संसद से मंजूरी मिलना जरूरी है। इस बीच अमेरिका के एमसीसी मुख्यालय ने कहा है कि अगर अब देरी हुई तो नेपाल के लिए अमेरिकी अनुदान समाप्त हो सकता है। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और सरकार में उनके साथी सीपीएन माओवादी नेता पुष्प कमल दहल को लिखे पत्र में अमेरिका ने नेपाल सरकार को संसद से समझौते का समर्थन करने के लिए 28 फरवरी की समय सीमा दी है। एमसीसी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने कहा है कि 28 फरवरी तक अहगर आपकी ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई तो एमसीसी बोर्ड 22 मार्च की बैठक के रूप में अगले कदमों पर चर्चा करेगा। अगर 28 फरवरी तक नेपाल ने मंजूरी नहीं दी गई तो बोर्ड के पास अधिकार होगा कि वह नेपाल को दी जाने वाली लाखों डॉलर की मदद को खत्म कर दे। इस तरह के निर्णय से नेपाल के साथ एमसीसी की साझेदारी समाप्त हो जाएगी।

मिलैनियम चैलेंज कोऑपरेशन (एमसीसी) के तहत अमेरिका नेपाल की एक परियोजना के लिए मदद दे रहा है। वॉशिंगटन 2017 इस मदद को सहमत हुआ था। अमेरिका ने 500 मिलियन डॉलर की मदद को तैयार हुआ था, जबकि नेपाल 130 मिलियन डॉलर खुद निवेश करता। इस मदद से नेपाल एक पावर ट्रांसमिशन लाइन और 300 किलोमीटर सड़कों को अपग्रेड करने वाला था। एमसीसी का लक्ष्य अमेरिका का इंडो-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव को कम रहना है। यही कारण है कि चीन समर्थक केपी शर्मा ओली लगातार इस समझौते का विरोध करते रहे हैं।

अहमदाबाद सिरियल ब्लास्ट केस में 49 आरोपी दोषी करार, बुधवार को सजा का ऐलान

- सबूतों के अभाव में 28 आरोपी निर्दोष घोषित, 14 साल बाद पीड़ित परिवारों को मिला इंसाफ

अहमदाबाद (ईएमएस) अहमदाबाद का विशेष अदालत ने 14 साल पहले सिलसिलेवार बम धमाकों से अहमदाबाद को दहलाने के आरोप में गिरफ्तार 77 आरोपियों में 49 को दोषी करार दिया है। जबकि 28 आरोपियों को सबूतों के अभाव में निर्दोष घोषित किया है। विशेष अदालत के न्यायाधीश एआर पटेल दोषियों की कल यानी बुधवार को सजा का ऐलान करेंगे। गौरतलब है 8 जुलाई 2008 को अहमदाबाद शहर बम धमाकों से दहल उठा था। 70 मिनट तक एक के बाद एक हुए बम धमाकों में 56 लोगों की जान चली गई थी और 244 जितने लोग घायल हो गए थे। सबसे बड़ा ब्लास्ट अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में हुआ था, जहां कई लोगों की मौत हो गई थी। सिविल अस्पताल के अलावा शहर के एलजी अस्पताल, हाटकेश्वर, बापूनगर, ठक्करबापानगर, जवाहर चौक, मणिनगर, खाडिया, रायपुर, सारंगपुर, गोविंदवाडी, इसनपुर, नारोल और सरखेज इत्यादि क्षेत्रों में सिलसिलेवार बम धमाकों में कई परिवार उजड़ गए थे। इस केस की जांच में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की टीम ने दिन रात कर 19 दिनों में 30 जितने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। बाद में हुई कई गिरफ्तारियों के साथ आरोपियों की संख्या 77 पर पहुंच गई। पिछले 14 वर्ष से विशेष अदालत में मामले की सुनवाई चल रही थी। इस दौरान 7 जितने न्यायाधीश बदल गए। अब तक आरोपियों के खिलाफ 521 चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है और 1163 गवाहों के बयान लिए जा चुके हैं। विशेष अदालत के न्यायाधीश एआर पटेल ने मंगलवार को इस मामले में 77 आरोपियों में से 49 को दोषी करार दिया है। जबकि 28 आरोपियों को सबूतों के अभाव में निर्दोष घोषित किया गया है। बुधवार को कोर्ट दोषियों की सजा का ऐलान करेगी।

करोड़ों की संपत्ति छोड़ बेटी और पत्नी के साथ संन्यास लेंगे सूरत के हीरा कारोबारी

सूरत (ईएमएस) शहर में एक और परिवार ने सांसारिक मोह माया का त्याग कर बैरागी जीवन बिताने का फैसला किया है। सूरत की नंदनवन सोसायटी में रहनेवाले उत्तरी गुजरात के धनेरा के मूल निवासी निरव वलाणी पत्नी सोनल और पुत्री विहा के साथ दीक्षा ग्रहण करने जा रहे हैं। 10 फरवरी को निरव वलाणी की पत्नी सोनल और पुत्री विहा सूरत के वेसू क्षेत्र की महावीर कॉलेज में रश्मिरत्नसूरिजी के करकमलों से दीक्षाग्रहण करेंगे। जबकि निरव वलाणी 17 फरवरी को आंध्र प्रदेश के तेनाली में मुनिराज गुणहंसविजय महाराज के करकमलों से दीक्षाग्रहण करेंगे। केवल कक्षा 4 तक पढ़ाई करने वाले निरव वलाणी को संस्कृत के 1500 से ज्यादा श्लोक कंठस्थ हैं। निरव वलाणी ने बताया कि उनके पुत्र लक्ष्य ने पांच साल पहगले 13 वर्ष की आयु में दीक्षा ग्रहण की थी। फिलहाल वह क्षमाश्रमणविजय महाराज के रूप में साधु जीवन बिता रहा है। बेटे के संयम को देख मुझे और परिवार के अन्य सदस्यों ने भी संयम का मार्ग अपनाने का निर्णय किया है। निरव वलाणी सूरत के वेसू क्षेत्र में परिवार के साथ रहते हैं और बड़े हीरा कारोबारी हैं। शादी से पहले ही निरव संन्यासी बनना चाहते थे, उस इच्छा को अब शादी के बाद पूर्ण करने जा रहे हैं। निरव वलाणी अकेले ही नहीं बेटी और पत्नी के साथ करोड़ों रुपए की संपत्ति त्यागकर संन्यासी का जीवन बिताएंगे।

कोविड वैक्सीनेशन में गुजरात की अनोखी उपलब्धि, पार किया 10 करोड़ डोज का लक्ष्य

- मुख्यमंत्री ने वैक्सीनेशन कार्य में सेवा देने वाले कर्मियों व कोरोना योद्धाओं को दी बधाई

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात ने कोरोना महामारी से बचाव के रक्षात्मक हथियार कोरोना रोधी वैक्सीन की 10 करोड़ से ज्यादा डोज नागरिकों को लगाने की उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के नागरिकों को कोरोना वैक्सीन का सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए निरंतर कार्यरत रहने वाले स्वास्थ्य कर्मियों एवं अग्रिम पंक्ति के कोरोना योद्धाओं को इस सेवा उपलब्धि के लिए बधाई दी है। गुजरात में कोरोना वैक्सीनेशन अभियान की शुरुआत पूरे देश के साथ 16 जनवरी, 2021 से की गई थी। 31 जनवरी, 2021 से अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं का टीकाकरण शुरू करने वाला गुजरात पहला राज्य बना था। राज्य सरकार ने इस वैक्सीनेशन कार्यक्रम को अभियान के रूप में चलाकर विशेष सत्र, स्कूल-कॉलेजों सहित शैक्षणिक संस्थानों में विशेष शिविर लगाकर, वृद्धों और अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को 'नियर टू होम' यानी घर के निकट की रणनीति के जरिए प्राथमिकता के आधार पर वैक्सीनेशन करने सहित 'हर घर दस्तक' अभियान के माध्यम से पूरे राज्य में टीकाकरण के मार्फत बहुतायत लोगों को सुरक्षित करने की लगातार चिंता की थी। इस गहन अभियान और जन जागृति के प्रयासों को तेज बनाकर गुजरात में 18 साल से अधिक उम्र के 4 करोड़ 87 लाख 11,681 यानी 98.8 फीसदी लाभार्थियों को पहली डोज जबकि पात्र आयु समूह के 4 करोड़ 59 लाख 36 हजार 481 यानी 95.7 फीसदी लोगों को दूसरी डोज दे दी गई है। इतना ही नहीं, 3 जनवरी, 2022 से 15 से 18 साल आयु समूह के किशोरों को कोविड वैक्सीन देने का कार्य शुरू कर वैक्सीनेशन के पात्र 35.50 लाख किशोरों में से 79.9 फीसदी अर्थात 28,44,496 को पहली डोज और 52.2 फीसदी अर्थात 10,10,267 किशोरों को दूसरी डोज देकर सुरक्षित किया गया है। गुजरात में प्रिकॉशन डोज देने का कार्य 10 जनवरी, 2022 से शुरू किया गया। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं तथा 60 साल से अधिक उम्र के कोमोरबिड लाभार्थियों को शामिल कर 16 लाख 21 हजार 138 प्रीकॉशन डोज दी गई है। कुल मिलाकर, राज्य में 8 फरवरी तक 10 करोड़ से अधिक वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। गुजरात 10 करोड़ डोज देने की यह उपलब्धि हासिल करने के साथ ही प्रति दस लाख दो डोज के लाभार्थियों को 9 लाख 96 हजार 724 वैक्सीन की डोज देकर इस क्षेत्र में भी देश के बड़े राज्यों में अग्रसर रहा है। उल्लेखनीय है कि राज्य में वैक्सीन स्टोरेज के लिए 2250 स्टोर, 2599 आइस लाइन्ड रेफ्रिजरेटर, 84,933 वैक्सीन कैरियर और 4034 कोल्ड बॉक्स जैसी कोल्ड चेन साधन सामग्री उपलब्ध है।

गुजरात सरकार किसानों को स्मार्ट फोन खरीदने के लिए 6000 रुपए की सहायता देगी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार ने स्मार्ट फोन खरीदने के लिए किसानों को दी जानेवाली सहायता में वृद्धि की है। पहले किसानों को स्मार्ट फोन की खरीदी के लिए 10 प्रतिशत की सहायता दी जा रही थी, जिसमें अब 30 प्रतिशत बढ़ाकर 40 फीसदी कर दिया गया है। गुजरात सूचना विभाग की ओर से ट्वीट कर यह जानकारी दी गई है। जानकारी के मुताबिक अब किसानों को स्मार्ट फोन खरीदने के लिए 10 प्रतिशत के बजाए 40 प्रतिशत सहायता दी जाएगी। इसके अंतर्गत पहले में गुजरात के 25000 किसानों को इस सहायता का लाभ मिलेगा। गौरतलब है कि पहले गुजरात सरकार स्मार्ट फोन की खरीदी के लिए किसानों को अधिकतम 1500 रुपए की सहायता देती थी। जिसमें अब 4500 की वृद्धि कर दी है। अब राज्य के किसानों को स्मार्ट फोन की खरीदी के लिए रु. 6000 की सहायता मिलेगी और इसके लिए किसानों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इस योजना का लाभ उन्हीं किसानों को मिलेगा जो गुजरात के निवासी हैं और उनकी अपनी जमीन होगी। किसानों को सहायता के लिए ग-व्लू पोर्टल (प्र्जेः//ग्व्प्लू.र्ल्ल्ृ.दन.ग्ह/) आवेदन करना होगा। यह योजना राज्य के सभी किसानों के लिए शुरू की गई है, हांलाकि जमीन की संयुक्त भागीदारी के मामले में केवल एक ही किसान को सहायता मिलेगी। आवेदन स्वीकार किए जाने के बाद किसान को स्मार्ट फोन का बिल, फोन का आईएमईआई नंबर, कैंसल चेक समेत जरूरी दस्तावेज देना होगा।

सीसीटीएनएस और आईसीजेएस के बेहतर क्रियान्वयन एवं रैंकिंग में गुजरात का जेल विभाग देश में दूसरे स्थान पर

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के जेल विभाग को ''अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) और अंतर-संचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली (आईसीजेएस) में अच्छी प्रथाओं'' के विषय पर हाल ही में आयोजित वार्षिक बैठक में इस सिस्टम के श्रेष्ठ क्रियान्वयन का द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष मंगलवार को गांधीनगर में गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी की प्रेरक उपस्थिति में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डॉ. केएलएन राव ने इस पुरस्कार को प्रस्तुत किया। केंद्रीय गृह मंत्रालय के तत्वावधान में एनआईसी द्वारा सीसीटीएनएस प्रोजेक्ट विकसित किया गया है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत आईसीजेएस पोर्टल की शुरुआत की गई है। इस पोर्टल पर राष्ट्रीय स्तर पर पुलिस, अदालत, जेल, अपराध में संलिप्त वाहन, गुमशुदा या लावारिस व्यक्तियों की जानकारी, वीजा-पासपोर्ट, केंद्रीय एजेंसियां, फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल), अभियोजन, एलिस (शस्त्र लाइसेंस) आदि विभागों के डेटा का आदान-प्रदान कर जांच करने वाली एजेंसी को एक ही डिजिटल सिक्योर प्लेटफार्म पर डेटा नजर आ सके ऐसी व्यवस्था कार्यान्वित की गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के सीसीटीएनएस-आईसीजेएस प्रोजेक्ट के अंतर्गत राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में हुए क्रियान्वयन के संबंध में पुरस्कार की घोषणा की जाती है। इसमें आईसीजेएस प्रोजेक्ट के तहत पुलिस, जेल, एफएसएल और अभियोजन जैसे विभिन्न स्तंभों में की गई कार्यवाही के संबंध में दिए जाने वाले अवार्ड के अंतर्गत श्रेष्ठ क्रियान्वयन के लिए प्रिजन स्तंभ में देश के 37 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में गुजरात को दूसरा स्थान मिला है। यह अवार्ड मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष प्रस्तुत करने के अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजकुमार भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राज्य की जेलों के प्रमुख और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डॉ. केएलएन राव लिखित पुस्तक ''जेल इतिहास अने वर्तमान'' के अंग्रेजी संस्करण ''जेल- पास्ट एंड प्रेजेन्ट'' पुस्तक का विमोचन भी किया। गांधी और सरदार जैसे युग पुरुषों के साथ जुड़े गुजरात की जेलों के भव्य इतिहास और वर्तमान में गुजरात सरकार किए जा रहे कैदी सुधार के कार्यों की जानकारी पुस्तक के इस अंग्रेजी संस्करण के माध्यम से अब देश-विदेश के प्रबुद्ध पाठकों तक पहुंचेगी। डॉ. राव की पुस्तक ''जेल इतिहास अने वर्तमान'' का गुजराती संस्करण इससे पहले अगस्त-2021 में प्रकाशित हो चुका है।

महुधा में विवाहित प्रेमी रंगेहाथ पकड़ा गया

नडियाद, ८ फरवरी।

नडियाद के छोटे ऐसे महुधा में वैवाहित रिश्तों का पर्दाफाश हो गया। नडियाद के महुधा में विवाहित प्रेमी कपल मजा लेने के लिए रुम में घुस गये लेकिन वहां अचानक परिवार आ गया और दोनों को रुम में बंद कर दिया। महुधा के शंकरपुरा गांव का यह मामला था। जहां महेमदाबाद के समसपुर की महिला रचना (नाम अलग है) की शादी शंकरपुरा के युवक राजेश (नाम अलग है) के साथ हुई थी। राजेश वेल्डर के तौर पर रजनीश के वहां नौकरी करता था। राजेश के बताये अनुसार शादी के बाद एक बार रजनीश ने अपनी पत्नी रचना को फोन करके अपना प्रेम व्यक्त किया था। इस मामले में रचना ने शिकायत करने पर उन्होंने रजनीश को फटकार लगाया था। जिसके बाद उसने वहां से नौकरी भी छोड़ दी थी। कुछ दिनों के बाद राजेश के वहां बेटे का जन्म हुआ था। बच्चा बीमार होने से बच्चा जब भी बीमार पड़े तब यह रजनीश से बाकी वेतन की मांग करता था।

जबकि रजनीश राजेश की लाचारी का लाभ उठाने और उसकी पत्नी रचना के साथ संपर्क बढ़ाने के लिए खुद को साथ में अस्पताल में मुझे लेकर जाए तो मैं तुझे पैसा दूंगा ऐसी जिद करता था। बेटी की बीमारी के समय में रजनीश और रचना के बीच प्रेम संबंध बन गया था, जिसका एक दिन पर्दाफाश होने पर राजेश और रजनीश के बीच भारी वादविवाद हुआ था। इसके बाद रचना अपने छह महीने के बच्चे को छोड़कर माइके चली गई थी। आखिर में सोमवार को रचना को वापस लाने का निश्चित हुआ, लेकिन इसके पहले ही रचना प्रेमी रजनीश के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार हुई।

राजेश के बताये अनुसार, रजनीश की पत्नी ने सोमवार की सुबह में ७ बजे के करीब इसका टेलिफोनिक संपर्क किया था और बताया था कि रचना और रजनीश खेत के रुम में गत दिन रात के ही ठहरे है, जिसकी वजह से दोनों के परिवार ने स्थल पर पहुंचकर उनको रुम में बंद कर देने से भारी हंगामा हुआ था और गांव के लोग बड़ी संख्या में स्थल पर पहुंच गये थे। घटना की जानकारी मिलने पर महुधा पुलिस भी स्थल पर पहुंच गई थी, जिन्होंने प्रेमी प्रेमिका को पुलिस स्टेशन ले जाकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

विटामिन डी सप्लिमेंट लेने की वजह से

कोविड मरीज को आईसीयू और वेंटिलेटर की जरूरत नहीं होती : रिसर्च

अहमदाबाद, ८ फरवरी।

विटामिन डी, जो सूर्य प्रकाश में बिल्कुल मुफ्त में ज्यादा मात्रा में मिलता रहता है लेकिन मुफ्त में मिलने पर बहुत ही महत्व के विटामिन की गुजरातियों में कमी देखने को मिलती है। यह बात आज यहां महत्वपूर्ण है कि गांधीनगर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ की रिसर्च टीम द्वारा एक अध्ययन करके ऐसा प्रतिपादित किया गया है कि विटामिन डी कोरोना को खत्म करने में बहुत ही महत्व की भूमिका निभाता है और कोरोना मरीज को दूसरे सप्लीमेंट के साथ विटामिन डी सप्लीमेंट भी देना चाहिए, क्या विटामिन डी सप्लिमेंट कोविड-१९ की गंभीरता को कम करता है और सिस्टमेटिक रिव्यू के पूरावा की समरी नाम से तैयार किया गया यह रिसर्च पेपर को हाल में ही ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रसिद्ध होती सायन्टिफिक जर्नल क्यूजेएम के लिए स्वीकार किया गया है। यह रिसर्च पेपर इंस्टीट्यूट के डिरेक्टर प्रो. दिलीप मावलंकर, फेकल्टी मैंबर डॉ. कोमल शाह तथा इंस्टीट्यूट के दो विद्यार्थी वर्णा वीपी और उजीता शर्मा द्वारा तैयार किया गया है। संशोधन पत्र मामले में बात करते हुए शाह ने कहा है कि, हमने महामारी की शुरूआत से ही जनवरी २०२२ तक फिल्ड में किया गया कार्य के रिव्यूज के रिव्यू किया गया है। उन्होंने आगे बताया है कि इसके लिए भारतीय विशेषज्ञों द्वारा लिखे गये १० वैश्विक रिसोर्स को उपयोग में लिया गया जिसके द्वारा यह प्रतिपादित हुआ है कि विटामिन डी सप्लीमेंट कोविड मरीज में मौत के खतरे को घटाता है इसके साथ साथ ही बीमारी की गंभीरता को घटाकर अस्पताल में भर्ती किए गए मरीज में आईसीयू, वेंटिलेटर की जरूरत को भी कम करता है। इस अध्ययन में सामने आया है कि विटामिन डी कोविड मरीज में मौत का खतरा ५३ फीसदी जितना कम करता है और कृत्रिम वेंटिलेटर की जरूरत को यह अब सप्लीमेंट ४६ फीसदी जितना कम करता है।

बम ब्लास्ट में निर्दोष घोषित आरोपियों पर जजमेंट के अध्ययन के बाद कार्यवाही : डीजीपी

अहमदाबाद (ईएमएस) 26 जुलाई 2008 में अहमदाबाद शहर में हुए सीरियल ब्लास्ट केस में विशेष अदालत ने आज 77 आरोपियों में 49 को दोषी करार दिया है। जबकि सबूतों को अभाव 28 आरोपियों को निर्दोष घोषित किया है। दोषी करार दिए गए आरोपियों को विशेष अदालत बुधवार को सजा का ऐलान करेगी। विशेष अदालत के फैसले के बाद गुजरात के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने कहा कि कुल 23 जगहों पर बम प्लांट किए गए थे। इसके लिए वटवा क्षेत्र में एक मकान किराया पर रखा और अलग अलग इलाकों में कैम्प भी किया था। विस्फोट के लिए साइकिल, टिफिन और चोरी की गाडियों का इस्तेमाल किया गया था। सीरियल ब्लास्ट की जांच के लिए सरकार ने स्पेशल टीम बनाई थी और इस मामल में कुल 82 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। सूरत में बम प्लांट किए गए थे, हांलाकि उसमें कोई जानहानि नहीं हुई थी। आशीष भाटिया ने कहा कि विशेष अदालत ने आज अपना फैसला सुनाया है, जिसमें 28 आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए और सबूतों के अभाव में निर्दोष घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट के जजमेंट का अध्ययन करने के बाद जरूरी हुआ तो गुजरात हाईकोर्ट में अपील करेंगे।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने लॉन्च की गुजरात नई आईटी/आईटी प्रोधौगिकी आधारित सेवा नीति

- आईटी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत का विजन साकार करेगी नई पॉलिसी 2022-27

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल नेराज्य में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र (आईटी सेक्टर) में तीव्र और सर्वसमावेशी वृद्धि को प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता के साथ आज नई गुजरात सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं (आईटीईएस) नीति की घोषणा की है। यह नई पॉलिसी पांच वर्ष अर्थात 2022 से 2027 तक लागू रहेगी। मुख्यमंत्री ने शिक्षा एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जीतू वाघाणी की उपस्थिति में गांधीनगर में इस नई नीति को जारी किया। मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, मुख्य सचिव पंकज कुमार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव विजय नेहरा तथा आईटी क्षेत्र के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त 9 संस्थानों एवं औद्योगिक कंपनियों के प्रतिनिधि भी इस अवसर पर मौजूद थे। इस कार्यक्रम में भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि टेक्नोलॉजिकल क्रांति ने आर्थिक एवं व्यावसायिक रूप से पूरी दुनिया को बदल दिया है। नई आईटी नीति की विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि यह नई और उभरती हुई आईटी टेक्नोलॉजी विश्व में प्रत्येक क्षेत्र में क्रांति ला रही है। यही नहीं, व्यवसायों, सरकारों और लेबर मार्केट पर उल्लेखनीय प्रभाव पैदा करने के साथ ही छोटे से छोटे व्यापार-उद्योगों को परंपरागत बड़े व्यापार-उद्योगों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए सक्षम बना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश का आईटी क्षेत्र रोजगार और आर्थिक मूल्य निर्माण के संदर्भ में वैश्विक आईटी क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर है। भूपेंद्र पटेल नेआगे कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में गुजरात देश का अग्रणी औद्योगिक राज्य बना है और अति आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं निवेश के लिए अनुकूल नीतियोंके माध्यम से अनुकूल बिजनेसईकोसिस्टम प्रदान करने के लिए भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाना जाता है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि एक मजबूत और सक्षम पॉलिसीफ्रेमवर्कके माध्यम से राज्य में आईटी ऑपरेशन्स की स्थापना के लिए आसान प्रक्रियागत जरूरतें लाकर अनुकूल बिजनेसईकोसिस्टम के निर्माण के प्रयास शुरू किए गए हैं। 'इन्फॉर्मेशनटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' के विजन को साकार करने के लिए गुजरात सरकार ने यह नई आईटी और आईटीईएस पॉलिसी 2022-27 लॉन्च की है। पटेल ने बताया कि यह नई पॉलिसी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 8 सपनों में से एक 'बेरोजगार मुक्त, रोजगार युक्त' के संकल्प को पूरा करने में अहम योगदान देने वाली साबित होगी। मुख्यमंत्री ने नई आईटी और आईटीईएस पॉलिसी के उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि उद्योगों के लिए हाई स्किल्ड आईटी टैलेंटपूल बनाना, अत्याधुनिक आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराना तथा आसान प्रोत्साहक योजनाओं को विकसित करना इस नई नीति का मुख्य उद्देश्य है। इतना ही नहीं, राज्य में एक मजबूत क्लाउडईकोसिस्टम स्थापित करने तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग, क्वॉन्टमकंप्यूटिंग और ब्लॉक चेन जैसी नई एवं उभरती हुई टेक्नोलॉजी में शोध एवं विकास (आर एन्ड डी) को प्रोत्साहनों को भी इस नीति में प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गुजरात आईटी के क्षेत्र में देश के शीर्ष पांच राज्यों में स्थान बनाने के लिए प्रयासरत है। पटेल ने आगे कहा कि आईटी सेक्टर में गुजरात का वार्षिक निर्यात 3 हजार करोड़ रुपए से बढ़ाकर 25 हजार करोड़ रुपए तक ले जाने और आईटी एवं आईटीईएस के क्षेत्र में नई 1 लाख नई नौकरियों के सृजन का लक्ष्य भी इस नई पॉलिसी में रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी के जरिए हमारी मंशा है कि विश्वस्तरीय आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर, डेटासेंटर्स और इमर्जिंगटेक्नोलॉजी में इनोवेशनसेंटर्स की उपलब्धता के मामले में भी गुजरात देश का नेतृत्व करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महत्वपूर्ण आईटी/आईटीईएस नीति (2022-27) से गुजरात के आईटी ईकोसिस्टम मेंबड़े स्तर पर बदलाव आएगा।अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि गुजरात को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में से एक बनाने के लिए विभिन्न पहलुओं को मजबूत करके गुजरात जल्द 'डेस्टिनेशन ऑफ चॉइस' बन जाएगा।

गुजरात में कोरोना के 2502 नए मामले, 7487 लोग ठीक होकर घर लौटे, 28 मरीजों की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में मंगलवार को कोरोना के 2502 नए मामले सामने आए, वहीं 7487 लोग ठीक होकर अपने गए। जबकि 28 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। दूसरी राज्य में आज 3.25 लाख से अधिक लोगों को टीका लगाने के साथ ही वैक्सीनेशन का आंकड़ा 10 करोड़ को पार कर गया है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 874, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 404, वडोदरा में 142, राजकोट कॉर्पोरेशन में 118, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 94, बनासकांठा में 92, सूरत कॉर्पोरेशन में 87, सूरत में 68, कच्छ में 61, राजकोट में 55, खेडा में 54, पाटन में 51, मेहसाणा में 48, आणंद में 31, गांधीनगर में 30, भावनगर कॉर्पोरेशन में 28, भरुच में 24, साबरकांठा में 24, अरवल्ली में 22, मोरबी में 21, नवसारी में 21, अहमदाबाद में 20, पंचमहल में 17, वलसाड में 16, अमरेली में 12, जामनगर कॉर्पोरेशन में 12, डांग में 9, तापी में 8, जामनगर में 7, नर्मदा में 7, पोरबंदर में 7, सुरेन्द्रनगर में 7 दाहोद में 6, देवभूमि द्वारका में 5, गिर सोमनाथ में 5, भावनगर में 4, छोटाउदेपुर में 4, जूनागढ़ में 4, बोटाद, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 1 और महीसागर में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 2502 नए मरीज सामने आए हैं। वहीं 7487 लोगों को डिस्चार्ज करने के साथ ही राज्य में कोरोना से अब तक 1161305 नागरिक कोरोना को मात दे चुके हैं। वहीं 28 मरीजों की मौत के साथ राज्यभर में कोरोना से अब तक 10716 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल राज्य में 33631 कोरोना के एक्टिव केस हैं, जिसमें 33432 स्टेबल हैं और 199 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। दूसरी ओर आज गुजरात ने 10 करोड़ से अधिक डोज देकर टीकाकरण के मामले में अनोखी उपलब्धि हासिल की है। राज्य में आज 325892 नागरिकों का टीकाकरण किया गया, जिसमें 20 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 18374 को दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 4263 को कोरोना का पहला और 66797 नागरिकों को दूसरा टीका लगाया गया। 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 19043 लोगों को पहली और 55587 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। 15 से 18 वर्षीय 16505 किशोरों को पहला और 106323 को दूसरा टीका लगाया गया। जबकि 38980 नागरिकों को बूस्टर डॉज दिया गया। राज्य में अब तक 10 करोड़ 2 लाख 6 हजार 717 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

मर्सिडीज़-बेंज ने अपने प्रतिष्ठित एडम कोर्स के लिए अपनी तरह का अलग ईलेक्ट्रिक वाहन मॉडयूल प्रस्तुत किया; ई-मोबिलिटी में परिवर्तन के लिए स्किलिंग अभियान शुरू किया

पुणेः देश के सबसे बड़े लग्ज़री कार निर्माता, मर्सिडीज़-बेंज़ ने आज देश में भविष्य की प्रतिभाओं का विकास करने एवं शैक्षणिक कौशल-विकास अभियानों द्वारा उन्हें उद्योग के लिए तैयार करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। आज कंपनी ने अपने अत्यधिक लोकप्रिय एडवांस्ड डिप्लोमा इन ऑटोमोटिव मेकेट्रोनिक्स (एडम) कोर्स में उद्योग पर केंद्रित अद्वितीय इलेक्ट्रिक वाहन मॉडयूल प्रस्तुत किया।

इलेक्ट्रिक वाहन में आने वाली क्रांति के कगार पर स्थित ऑटो उद्योग में महिलाओं को एक समान अवसर प्रदान कर विविधता को बढ़ावा देने के लिए, मर्सिडीज़ बेंज़ का इलेक्ट्रिक वाहन मॉडयूल सबसे पहले पुणे में महर्षि कर्वे स्त्री शिक्षण संस्था (एमकेएसएसएस वूमेंस कॉलेज) में शुरू किया गया। एडवांस्ड मेकेट्रोनिक्स कोर्स के लिए इलेक्ट्रिक वाहन मॉडयूल मार्टिन श्वेंक, एमडी एवं सीईओ, मर्सिडीज़-बेंज़ इंडिया; श्री शेखर भिड़े, वाईस प्रेसिडेंट, कस्टमर सर्विसेस, मर्सिडीज़-बेंज़ इंडिया; डॉ. माधुरी खंबेते, प्रिंसिपल, कमिंस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं श्री राजेंद्र जोग, ट्रस्टी, एमकेएसएसएस द्वारा प्रस्तुत किया गया।

पश्चिम रेलवे के जगजीवन राम अस्पताल में किया गया 5000 भर्ती कोविड मरीजों का इलाज

अप्रैल 2020 से जगजीवन राम अस्पताल है समर्पित कोविड अस्पताल

मार्च 2020 में घातक कोरोना वायरस महामारी द्वारा भारत को चपेट में लेने के बाद 2 अप्रैल, 2020 को जगजीवन राम अस्पताल को रेल मंत्रालय द्वारा एक समर्पित कोविड अस्पताल के रूप में घोषित किया गया था और अस्पताल ने इसे एक चुनौती के रूप में लेते हुए लॉकडाउन के दौरान 202 बिस्तरों को नया स्वरूप देकर इसे पूरी तरह से कोविड- अस्पताल में बदल दिया। उल्लेखनीय है कि जगजीवन राम अस्पताल में अब आइसोलेशन वार्ड में भर्ती 5000 मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज किया जा चुका है जिनमें 1500 आईसीयू मरीज भी शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मुंबई सेंट्रल स्थित जगजीवन राम अस्पताल **(JRH)** 361-बेड वाला मल्टी स्पेशलिटी, स्नातकोत्तर शिक्षण अस्पताल है जहाँ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और कार्डियोलॉजी में सुपरस्पेशलिटी के साथ ही ब्लड बैंक भी हैं। एक समर्पित कोविड अस्पताल में बदलने के बाद इसकी संरचना और कार्यात्मक क्षेत्रों को कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार बदलती जरूरतों के मुताबिक परिवर्तित किया गया। मरीजों और स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के बीच संक्रमण को रोकने के लिए 20 बिस्तरों वाले आईसीयू, लेबर रूम और ऑपरेशन थियेटर को निगेटिव प्रेशर वाले क्षेत्रों में बदला गया। इसके अलावा पाइपलाइन ऑक्सीजन तरल मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति बिंदुओं को 72 से बढ़ाकर 200 कर दिया गया और तरल ऑक्सीजन की क्षमता को बढ़ाकर ऑक्सीजन की आपूर्ति को दोगुना कर दिया गया ताकि बिना किसी रुकावट के अधिक से अधिक रोगियों को आपूर्ति की जा सके। कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए जगजीवन राम अस्पताल ने ऑक्सीजन की अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए 100 ऑक्सीजन कन्सनट्रेटर खरीदे। ठआत्मानबीर भारतठ की दिशा में जगजीवन राम अस्पताल ने 500 एलपीएम की क्षमता वाले दो पीएसए संयंत्रों को 29 अक्टूबर, 2021 को थर्ड वेव से पहले चालू किया गया।

बेहतर इलाज के लिए प्रौद्योगिकी

मरीजों की मदद के लिए तथा बेहतर प्रबंधन के लिए प्रत्येक मंजिल पर समर्पित नंबर वाले स्मार्टफोन उपलब्ध कराए गए। मरीजों को उनके घर पर वीडियो कॉल के लिए स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों द्वारा सहायता प्रदान की जा रही थी। मनोचिकित्सक और नैदानिक मनोवैज्ञानिक द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के लिए राउंड लगाकर और रोगियों के साथ व्यक्तिगत और टेलीफोन पर बातचीत करके मनोवैज्ञानिक सहायता दी जाती है। जगजीवन राम अस्पताल ने अपनी आरटी-पीसीआर प्रयोगशाला स्थापित की जिसके परिणामस्वरूप उसी दिन रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाती है। 2021 तक जगजीवन राम अस्पताल वेंटिलेटर, नई दवाओं और ऑक्सीजन से अच्छी तरह सुसज्जित था। वर्तमान में जगजीवन राम अस्पताल के सभी बिस्तरों पर ऑक्सीजन उपलब्ध है और सभी 20 आईसीयू बेड वेंटिलेटर के साथ उपलब्ध कराए गए हैं।

सभी के लिए टीकाकरण

जगजीवन राम अस्पताल ने भी इस चुनौती को स्वीकारा और 8 मार्च, 2021 को पूरे मुंबई मंडल में पात्र लाभार्थियों के लिए टीकाकरण शुरू किया। जगजीवन राम अस्पताल के माध्यम से पूरे मुंबई में रेलवे लाभार्थियों के टीकाकरण की व्यवस्था की गई है। अब तक कुल 52,000 खुराकें (पहली और दूसरी खुराक सहित) दी जा चुकी हैं। अस्पताल ने +15 आयु वर्ग का टीकाकरण भी शुरू कर दिया है।

इस प्रकार पश्चिम रेलवे का जगजीवन राम अस्पताल टीकाकरण प्रदान करने के मामले में लोगों तक पहुंचने के साथ-साथ अस्पताल में भर्ती मरीजों की अत्यधिक देखभाल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पेटीएम की तीसरी तिमाही के नतीजे

राजस्व 89 प्रतिशत बढ़कर 1,456 करोड़ रुपये हो गया

One97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड, भारत में अग्रणी डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी, जो पेटीएम ब्रांड का मालिक है, ने वित्तीय वर्ष 2022 के लिए अपने तीसरी तिमाही के परिणामों की घोषणा की है। अक्टूबर से दिसंबर की तीसरी तिमाही में कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 89 फीसदी बढ़कर 1,456 करोड़ रुपये हो गया। एबिटा घाटा (ईसप लागत से पहले) एक साल पहले की अवधि में 488 करोड़ रुपये से गिरकर 393 करोड़ रुपये हो गया। सम्मोहन और एमडीआर असर वाले उपकरणों, नए उपकरण सदस्यता और ऋण भुगतान द्वारा विकास को प्रेरित किया गया है।

कंपनी के मासिक ट्रांजैक्शन यूजर्स का औसत 64.4 मिलियन और उश्न 2.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

पेटीएम के प्रवक्ता ने कहाः हमारा व्यवसाय ग्राहकों और व्यापारियों को भुगतान प्रदान करता है और उन्हें उच्च मार्जिन वाली वित्तीय सेवाएं और व्यावसायिक व्यवस्था प्रदान करता है। हम अपने उपभोक्ता ऐप के माध्यम से बिल भुगतान, मनी ट्रांसफर और ऑफलाइन मर्चेंट भुगतान के साथ-साथ पेटीएम पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स (पेटीएम वॉलेट, पेटीएम पेमेंट बैंक अकाउंट और पेटीएम पोस्टपेड) और पेटीएम पेमेंटगेटवे (ऑनलाइन मर्चेंट के लिए) जैसी सेवाएं प्रदान करते हैं। हम अपने प्लेटफॉर्म की क्षमताओं का उपयोग करके अपने ग्राहकों और व्यापारियों को विभिन्न प्रकार के वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करते हैं।

प्रेरणाजन फाउंडेशन द्वारा शिक्षा युक्त कुपोषण मुक्त समाज निर्माण के लिए पहल

शिक्षा युक्त कुपोषण मुक्त समाज निर्माण का बीड़ा पिछले 6 साल से अनिल शर्मा व उनकी टीम ने उठाया हुआ है रोड पर व झुगियों में भीख मांगने वाले व बाल मजदूरी कर रहे बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का कार्य कर रहे अनिल शर्मा जब कोरोना काल में सब स्कूल बंद हो गए तब 2 चलती फिरती स्कूल का संचालन कर दिया स्कूल वैन टीम द्वारा अलग अलग जगह जाकर बच्चों को पढ़ाया व भोजन भी दिया जाता हैं शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए अलग अलग झुगियों में जाकर लोगो को शिक्षा के लिए समझाया जाता हैं 4 जगह सैकड़ो बच्चों को हर रोज पढ़ाया जा रहा है भोजन दिया जाता हैं शिक्षा की वस्तु भी दी जाती हैं अनिल शर्मा का सपना है भीख मांगने वाले हर बच्चे के हाथ में हो कलम किताब ऐसे बच्चे कामयाब बन कर राष्ट्र निर्माण में अपना अहम योगदान दे

कोजेंट ई-सर्विसेज ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी फाइल की

कोजेंट ई-सर्विसेज लिमिटेड (ठकंपनीठ), जो समग्र ओमनीचैनल ग्राहक अनुभव (ठर्णे'') समाधान प्रदाता है, ने अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (''डीआरएचपी'') बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (''सेबी'') के यहाँ दाखिल किया है।

कोजेंट ई-सर्विसेज के समाधान, व्यवसायों और ब्रांडों को उनके लक्षित ग्राहकों से जुड़ने, उनके सभी टचपॉइंट्स एवं चैनल्स में र्णे (ठग्राहक अनुभव'') को रूपांतरित करने और, और प्रतिक्रिया समय, व्यावसायिक परिणामों और प्रदर्शन में सुधार करने में सक्षम बनाते हैं।

कंपनी की योजना आईपीओ के जरिए फंड जुटाने की है, जिसमें कुल 150 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू (फ्रेश इश्यू) और ठनिवेशक विक्रेता शेयरधारकोंठ द्वारा 9,468,297 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल (ऑफर फॉर सेल) शामिल है।

कोजेंट ने फ्रेश इश्यू से जुटाये गये फंडों का उपयोग कंपनी के मौजूदा आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और आईटी परिसंपत्तियों में निवेश के वित्तपोषण, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव किया है।

डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स और आईआईएफएल सिक्योरिटीज, इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं और लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, इश्यू का रजिस्ट्रार है।

पश्चिम रेलवे
कवच का प्रावधान
निविदा संख्या EPC_WR_SnT_01 R. दिनांक 07.02.2022। प्रधान प्रमुख सिग्नल और टेलीकॉम इंजीनियर, 5 तल, स्टेशन भवन, चर्चगेट, पश्चिम रेलवे, मुंबई - 400020 आमंत्रित करता है, ई-निविदा बोलीदाता सक्षम होंगे अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा करने के लिए केवल अंतिम तिथि और समय तक। के विरुद्ध मैन्युअल ऑफ़र की अनुमति नहीं है यह निविदा, और ऐसा कोई भी मैनुअल प्राप्त प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। कार्य का नाम : कवच का प्रावधान (पूर्व में ट्रेन के रूप में जाना जाता है टकराव से बचाव प्रणाली - टीसीएएस) और 48 फाइबर का बिछाने बख़्तरबंद ओएफसी (दो मार्गों में) की स्थापना के कार्य के संबंध में 303 किमी. पर 160 किमी प्रति घंटे की गति का निरपेक्ष ब्लॉक खंड वडोदरा - रतलाम - नागदा ऑन न्यू पश्चिमी का दिल्ली मुंबई मार्ग रेलवे। लगभग। काम की लागत रु. 1511065636/-. ईएमडी रु. 7555400/-. दिनांक और समय ई-निविदा जमा करना और ई-निविदा खोलना : तक 31.05.2022 और 14.06.2022@ 15.00 घंटे। वेबसाइट विवरण और स्थान के लिए सूचना जहां पूर्ण आदि विवरण देखे जा सकते हैं: www.ireps.gov.in उपरोक्त कार्यालय में पता। 0699
हमें लाइक करे facebook.com/westernRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95